सत्यमेव जयते

राजभवन, असम की त्रैमासिक पत्रिका

राजवाणी

वर्ष-01 * अंक-01 * 22 फरवरी-मई 2023

राजभवन, असम

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु (बायें) और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया।

राजस्थान के राज्यपाल श्री कलराज मिश्रा और केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री श्री भूपेंद्र यादव के साथ राज्य श्री गुलाब चन्द कटारिया।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और राजस्थान के भाजपा अध्यक्ष श्री सी.पी. जोशी के साथ राज्य श्री गुलाब चन्द कटारिया।

दरंग में अमृत सरोवर परियोजना की निरीक्षण करते राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया।

पोबितरा अभ्यारण्य में दूरबीन से वन्यजीवों को देखते राज्यपाल।

नई दिल्ली के वार मेमेरियल में मुख्यमंत्री श्री हिमंत विश्व शर्मा और राज्य के अन्य मंत्रियों के साथ राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया।

राजवाणी

वर्ष-01 * अंक - 01 * 22 फरवरी-मई 2023

संपादक मंडली

संपादक

श्री एस.एस मीनाक्षी सुंदरम

माननीय राज्यपाल के आयुक्त एवं सचिव

सलाहकार संपादक

श्री निष्काम दिवाकर

माननीय राज्यपाल के विशेष कार्य अधिकारी

श्रीमती लकी विश्वास

माननीय राज्यपाल की जनसंपर्क अधिकारी

सहयोगकर्ता

श्री देवाशीष बोरा

सोशल मीडिया सहायक

श्री पूर्वज्योति वैश्य

फोटोग्राफर

पृष्ठ सज्जा

श्री शामेश्वर शर्मा

अनुक्रमणिका

1. संपादकीय — 2
2. राज्यपाल का शपथ ग्रहण — 3-5
   ▸ नया पद नई जिम्मेदारी ▸ राष्ट्रपति एवं उप राष्ट्रपति से भेंट ▸ प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री से भेंट ▸ रक्षा मंत्री और लोकसभा अध्यक्ष से भेंट ▸ श्रीमती वसुंधरा राजे ने की शिष्टाचार भेंट
3. ऐतिहासिक पलों के साक्षी बने — 6-7
4. सरकारी योजनाएं जन-जन तक पहुंचाने का निर्देश — 8-12
   ▸ कामरूप (मेट्रो) का जिला उपायुक्त कार्यालय ▸ जोरहाट जिला ▸ गोलाघाट जिला ▸ मोरीगांव जिला ▸ दरंग जिला ▸ उदालगुड़ी जिला ▸ शिवसागर जिला ▸ चराईदेव जिला ▸ शोणितपुर जिला ▸ तिनसुकिया जिला ▸ जिला उपायुक्त कार्यालय, कामरूप
5. नवनियुक्त अधिकारियों को दिलाई शपथ — 13
   ▸ न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) श्री हितेश कुमार ▸ ए.सी.एस. (सेवानिवृत्त) श्रीमती नजरीन अहमद ▸ आई.पी.एस. (सेवानिवृत्त) श्री भाष्कर ज्योति महंत
6. शिक्षण संस्थानों का दौरा — 14-18
   ▸ ओ.पी. जिंदल ग्लोबल विश्वविद्यालय, गुवाहाटी में 'एडुकेटर्स मीट' ▸ यू.एस.टी.एम. में कुलपतियों का तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन ▸ असम कृषि और असम महिला विश्वविद्यालय का किया दौरा ▸ जोरहाट में वायु सेना के अधिकारियों से चर्चा ▸ नलबाड़ी के संस्कृत विश्वविद्यालय में क्लास रूम का उद्घाटन ▸ असम राजीव गांधी सहकारिता एवं प्रबंधन विश्वविद्यालय में की बैठक ▸ डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय और श्रीमंत शंकरदेव विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह
7. राज्यपाल के कार्यक्रम — 19-22
   ▸ सक्षम 2023.... ▸ असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट में जलवायु परिवर्तन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ▸ तेजपुर में गौ कुंभ का उद्घाटन ▸ 'प्रो. शरत महंत की स्मृति में व्याख्यानमाला' ▸ हेमकोश : श्री जयंत बरुआ को प्रदान किया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स का प्रमाण पत्र ▸ अखिल भारतीय बधिर सम्मेलन में दिव्यांगों का बढ़ाया मनोबल ▸ गौ विज्ञान पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित ▸ 'पार्टीशंड फ्रीडम' का किया विमोचन
8. मुलाकात एवं सौजन्य भेंट — 23-24
   ▸ आई.आई.टी. और आई.आई.एम.के विद्यार्थियों से संवाद ▸ सहकारी बैंक के प्रतिनिधिमंडल से मिले ▸ अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल ने देखी लोकतंत्र की झलक ▸ आई.पी.एस. परिवीक्षा अधिकारियों को किया प्रोत्साहित ▸ एन.सी.एच.ए.सी. के प्रतिनिधियों ने की मुलाकात ▸ कार्बी आंग्लागं स्वायत परिषद के प्रतिनिधिमंडल से की चर्चा
9. पूर्व राज्यपाल ले. जनरल अजय सिंह को दी श्रद्धांजलि — 24
10. उत्सव एवं समारोह — 25-27
   ▸ 'गज उत्सव' में राज्यपाल ने की शिरकत ▸ नॉर्थ ईस्ट फोल्क फेस्ट 2023 ▸ आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम ▸ गौहाटी उच्च न्यायालय का प्लेटिनम जुबली समारोह ▸ उत्कल दिवस व भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समारोह
11. ऐतिहासिक स्थलों एवं मंदिरों का भ्रमण — 28
12. राजभवन में कार्यक्रम — 29-30
   ▸ गुजरात और महाराष्ट्र के राज्य स्थापना दिवस ▸ सिक्किम राज्य दिवस ▸ गोवा का स्थापना दिवस ▸ राज्यपाल बने भारत स्काउट्स एवं गाइड्स असम, के मुख्य संरक्षक ▸ रंगाली बिहू पर सांस्कृतिक कार्यक्रम
13. अन्य कार्यक्रम — 30
   ▸ तोलाराम बाफना कृत्रिम अंग और कैलीपर केंद्र को सराहा ▸ मारवाड़ी संगठनों के शपथ ग्रहण समारोह
14. खेल-खिलाड़ी — 31-32
   ▸ बोड़ोलैंड क्षेत्र में खो-खो चैंपियनशिप का समापन समारोह ▸ मुक्केबाज लवलीना को किया सम्मानित ▸ अखिल भारतीय ब्रह्मपुत्र स्क्वैश चैंपियनशिप 2023 का समापन समारोह ▸ असम प्रीमियर हैंडबॉल लीग का किया उद्घाटन

सम्पादकीय

श्री एस.एस.मीनाक्षी सुंदरम, आई.ए.एस

प्रिय पाठकों,

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि राजभवन असम की पहली हिन्दी त्रैमासिक पत्रिका 'राजवाणी' का प्रकाशन किया जा रहा है। संपादक के रूप में इस पत्रिका से जुड़ना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। वास्तव में यह पत्रिका हमारे माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया जी के सभी पहल, प्रशासनिक गतिविधियों और कार्यों का विवरण है।

'राजवाणी' के प्रथम संस्करण में हमने उन विभिन्न पहलों, गतिविधियों व कार्यों का वर्णन करने का प्रयास किया है, जो माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया जी ने पद संभालने के बाद शुरू की थीं। बता दें कि श्री कटारिया ने 22 फरवरी 2023 को अपना पदभार ग्रहण किया। पत्रिका के इस पहले अंक में हमने राज्यपाल द्वारा 22 फरवरी से 31 मई 2023 के दौरान की गई गतिविधियों को प्रदर्शित करने का प्रयास किया है।

पिछले तीन महीनों में माननीय राज्यपाल के नेतृत्व में कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें उच्च शिक्षा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से जुड़े कार्यक्रम सराहनीय रहे। इसके अलावा माननीय राज्यपाल ने राज्य के विभिन्न जिलों का दौरा किया और वहां के प्रशासनिक कार्यों, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और कानून-व्यवस्था की समीक्षा की। मुझे उम्मीद है कि यह पत्रिका इन गतिविधियों को साक्ष्य के रूप में संजोय रखने का काम करेगा।

माननीय राज्यपाल श्री कटारिया अपने परिश्रम, समर्पण और उत्साह के लिए जाने जाते हैं। राज्य के संवैधानिक प्रमुख के रूप में वे दिन-रात राजभवन, असम को एक नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि हमें उनके नेतृत्व में काम करने का मौका मिला है। अब तक उन्होंने 15 जिलों का दौरा किया और जिला प्रशासन के साथ कई बैठकों की अध्यक्षता की है। राज्य के एक सच्चे अभिभावक के रूप में, उन्होंने जिलों के दौरे के दौरान नागरिक निकायों के सदस्यों और समाज के अन्य प्रतिनिधियों के साथ भी बैठकें की।

मैं राजभवन के सभी सदस्यों को इस पत्रिका के सफल प्रकाशन में अथक समर्थन और सहयोग के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा। आशा है कि पत्रिका के नवीनतम अंक को आपकी प्रशंसा और सराहना मिलेगी।

धन्यवाद!

श्री एस.एस.मीनाक्षी सुंदरम, आई.ए.एस

माननीय राज्यपाल के आयुक्त एवं सचिव

राजवाणी
वर्ष-01 * अंक - 01 * 22 फरवरी-मई 2023

नया पद नई जिम्मेदारी

- 31 मई 2004 से 8 दिसंबर 2008 और 2015 से 2018 तक वे राजस्थान सरकार में गृह मंत्री रहे।
- 1989 से 1991 तक उन्होंने नौवीं लोकसभा का प्रतिनिधित्व किया।
- 24 अगस्त 2002 से दिसंबर 2003, 21 फरवरी 2013 से 10 दिसंबर 2013 और फिर 17 जनवरी 2019 से फरवरी 2023 तक उन्होंने राजस्थान में विपक्ष के नेता का दायित्व निभाया।
- 1993 से 1998 तक वे राजस्थान सरकार में उन्होंने शिक्षा मंत्री के पद को सुशोभित किया।
- 8 दिसंबर 2003 से 30 मई 2004 तक वे लोक निर्माण विभाग के मंत्री रहे।
- 2013 से 2015 तक वे पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास और आपदा प्रबंधन एवं राहत विभाग के मंत्री रहे।

राजस्थान भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 22 फरवरी 2023 को असम के 31वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। उक्त दिन गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में गौहाटी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संदीप मेहता ने श्री कटारिया को नए राज्यपाल की शपथ दिलाई। उन्होंने प्रोफेसर जगदीश मुखी के स्थान पर यह पदभार संभाला है। राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया राजस्थान में उदयपुर के रहने वाले हैं। राजसमंद जिले के देलवाड़ा इलाके में 13 अक्टूबर 1944 को स्व. हुकमी चन्द कटारिया और स्व. लाहरी बाई के एक साधारण परिवार में जन्में श्री कटारिया के परिवार में उनकी पत्नी और पांच बेटियां हैं।

इस मौके पर नवनियुक्त राज्यपाल श्री कटारिया ने कहा कि महान संत श्रीमंत शंकरदेव की सुंदर भूमि असम में राज्यपाल के रूप में कार्यभार संभालना सम्मान की बात है। मैं पूरी ईमानदारी के साथ भारतीय संविधान के आदर्शों का पालन करते हुए असम की जनता के हित और विकास के लिए काम करूंगा। मुझे पूरा विश्वास है कि राज्य के चहूंमुखी विकास के कार्य में यहां की जनता राज्यपाल कार्यालय को अपना पूरा सहयोग और समर्थन देगी।

शपथ ग्रहण समारोह में असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंत विश्व शर्मा, असम की प्रथम महिला श्रीमती अनिता कटारिया, असम विधानसभा अध्यक्ष श्री बिश्वजीत दैमारी, केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री रामदास अठावले, राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री केशव महंत, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री रंजीत दास, कृषि मंत्री श्री अतुल बोरा, वित्त मंत्री श्रीमती अजंता नेउग, शक्ति मंत्री श्रीमती नंदिता गारलोसा, और कई अन्य शीर्ष अधिकारी उपस्थित थे।

गौहाटी हाई कोर्ट के प्लेटिनम जुबली समारोह का दीप जलाकर शुभारंभ करतीं राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु और असम के राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया।

गुवाहाटी में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को असम के प्रतीक चिन्ह सराई भेंट करते राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया।

राष्ट्रपति और उप-राष्ट्रपति से भेंट

राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने अपनी पत्नी व असम की प्रथम महिला श्रीमती अनीता कटारिया के साथ नई दिल्ली में 25 फरवरी 2023 को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से भेंट की। उसी दिन उन्होंने उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ से भी शिष्टाचार भेंट की।

प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री से भेंट

श्री गुलाब चन्द कटारिया ने नई दिल्ली में 26 फरवरी को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने असम के विकास और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रधानमंत्री से चर्चा की। प्रधानमंत्री के बाद उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह से भी मुलाकात की। 28 फरवरी को उन्होंने केंद्रीय मंत्री श्री नितीन गडकरी से भी मुलाकात की।

रक्षा मंत्री और लोकसभा अध्यक्ष से भेंट

असम के राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 18 अप्रैल 2023 को नई दिल्ली में रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। इस दौरान श्री राजनाथ सिंह से राज्यपाल ने असम के विकास और अन्य मुद्दों पर चर्चा की। राज्यपाल कटारिया ने लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिड़ला से भी मुलाकात की। इससे पूर्व उन्होंने श्रम एवं रोजगार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव से मुलाकात की। वहीं श्री कटारिया ने 17 अप्रैल 2023 को केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री श्री अनुराग ठाकुर से भी शिष्टाचार भेंट की थी। इससे पहले 21 मार्च 2023 को उन्होंने राजस्थान के राज्यपाल श्री कलराज मिश्रा, 13 अप्रैल 2023 को केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल और 16 अप्रैल को राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे से भी मुलाकात की।

श्रीमती वसुंधरा राजे ने की शिष्टाचार भेंट

राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा की कद्दावर नेत्री श्रीमती वसुंधरा राजे ने 16 अप्रैल 2023 को राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया से शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल श्री कटारिया और उनकी पत्नी एवं प्रथम महिला श्रीमती अनीता कटारिया ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान राज्यपाल ने श्रीमती राजे को असम के प्रतिक चिन्ह गैंडे की प्रतिकृति और उपहार भेंट की। इससे पहले 9 अप्रैल को राजस्थान के भाजपा अध्यक्ष श्री सी.पी. जोशी ने भी राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट की।

राजवाणी
वर्ष-01 * अंक - 01 * 22 फरवरी-मई 2023

ऐतिहासिक पलों के साक्षी बने

- प्रधानमंत्री ने एम्स गुवाहाटी और तीन अन्य मेडिकल कॉलेजों को राष्ट्र को किया समर्पित
- असम एडवांस्ड हेल्थ केयर इनोवेशन इंस्टीट्यूट की आधारशिला रखी
- आपके द्वार आयुष्मान अभियान का किया शुभारंभ

14 अप्रैल 2023 असम के लिए ऐतिहासिक दिन था। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इस दिन दो अलग-अलग कार्यक्रमों में विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया और मुख्यमंत्री श्री हिमंत विश्व शर्मा भी इन ऐतिहासिक पलों के साक्षी बने। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आई.आई.टी., गुवाहाटी में आयोजित कार्यक्रम में 3,400 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास किया और इसे राष्ट्र को समर्पित किया। प्रधानमंत्री ने एम्स गुवाहाटी और तीन अन्य मेडिकल कॉलेजों को राष्ट्र को समर्पित किया।

पीएम मोदी ने मई 2017 में गुवाहाटी में पूर्वोत्तर के पहले एम्स की आधारशिला रखी थी। 100 एमबीबीएस की सीट वाला, 1120 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बना यह अस्पताल उत्तर पूर्व के लोगों को विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करेगा। इसके अलावा पीएम मोदी ने देश को तीन मेडिकल कॉलेज, नलबाड़ी मेडिकल कॉलेज, नागांव मेडिकल कॉलेज और कोकराझाड़ मेडिकल कॉलेज भी समर्पित किए। 500 बेड वाले इन मेडिकल कॉलेजों में आपातकालीन सेवा, आईसीयू, ओटी, ओपीडी/आईपीडी और डायग्नोस्टिक सुविधा उपलब्ध है। प्रत्येक मेडिकल कॉलेज में 100 एमबीबीएस छात्रों की वार्षिक प्रवेश क्षमता होगी। IIT गुवाहाटी परिसर में 546 करोड़ रुपये की लागत से बनाए जाने वाले वाले असम एडवांस्ड हेल्थकेयर इनोवेशन इंस्टीट्यूट (AAHII) की आधारशिला पीएम मोदी ने रखी। यह 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' के विजन को साकार करने की दिशा में एक कदम है। यह परियोजना असम सरकार एवं आईआईटी गुवाहाटी की संयुक्त पहल है। पीएम मोदी ने 1.1 करोड़ रुपये की आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB-PMJAY) कार्ड वितरित करके 'आपके द्वार आयुष्मान' अभियान का भी शुभारंभ किया। इसके जरिए आयुष्मान परिवारों को 5 लाख रुपये तक नकदी विहीन स्वास्थ्य देखभाल चिकित्सा इलाज का लाभ मिलेगा।

वहीं गुवाहाटी के सरुसजई स्टेडियम में भी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 10,900 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इन परियोजनाओं के अंतर्गत प्रधानमंत्री ने ब्रह्मपुत्र नदी पर पलासबाड़ी और सुआलकुची को जोड़ने वाले सेतु की आधारशिला रखी। यह पुल इस क्षेत्र में बहुप्रतीक्षित और अति आवश्यक सड़क संपर्क सुविधाएं प्रदान करेगा। उन्होंने डिब्रूगढ़ के नामरूप में 500 टीपीडी मेथनॉल संयंत्र का शुभारंभ किया। श्री मोदी द्वारा प्रदेश के विभिन्न रेल खंडों के दोहरीकरण और विद्युतीकरण सहित

■ असम में 10,900 करोड़ से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण

पांच रेलवे परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया गया। प्रधानमंत्री ने शिवसागर में रंग घर के सौंदर्यीकरण के लिए भी एक परियोजना की आधारशिला भी रखी, जो पूरा होने के बाद इस स्थान पर पर्यटकों को कई महत्वपूर्ण सुविधाओं का एहसास कराएगी। रंग घर के सौंदर्यीकरण कार्यक्रम के तहत एक विशाल जल निकाय के चारों ओर फाउंटेन शो का निर्माण और अहोम राजवंश के इतिहास को प्रदर्शित करने वाली सुविधाएं, एडवेंचरस नाव की सवारी के लिए जेटी के साथ एक बोट हाउस , स्थानीय हस्तशिल्प को बढ़ावा देने हेतु एक शिल्प ग्राम, भोजन प्रेमियों के लिए विविध जातीय व्यंजन आदि का इंतजाम किया जा रहा है। शिवसागर में स्थित रंग घर अहोम संस्कृतियों एवं परंपराओं को चित्रित करने वाली सबसे प्रतिष्ठित संरचनाओं में से एक है। इसका निर्माण 18वीं शताब्दी में अहोम राजा स्वर्गदेव प्रमत्त सिंहा द्वारा किया गया था। प्रधानमंत्री ने वहां आयोजित विशाल बिहू नृत्य कार्यक्रम भी देखा, जिसका आयोजन असम के बिहू नृत्य को असमिया लोगों की सांस्कृतिक पहचान और जीवन के विशेष प्रतीक के रूप में विश्व स्तर पर प्रदर्शित करने के लिए किया गया।

इससे पहले 13 अप्रैल 2023 को असम के नव वर्ष पर मनाए जाने वाले रंगाली बिहू पर्व के अवसर पर एक ही स्थान पर किए गए सबसे बड़े बिहू नृत्य कार्यक्रम को लेकर गिनीज बुक में दो विश्व रिकॉर्ड कायम किए। पहला रिकॉर्ड एक ही स्थान पर 11,304 बिहू नृत्य के कलाकारों को लेकर है, जबकि दूसरा रिकॉर्ड एक ही जगह पर सबसे बड़ी ट्रेडिशनल म्यूजिक परफॉर्मेंस (ढोलियों) को लेकर दर्ज हुआ है। विश्व कीर्तिमान रचने के मौके पर स्टेडियम में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा भी मौजूद थे।

- ■ ब्रह्मपुत्र नदी पर पलासबाड़ी और सुआलकुची को जोड़ने वाले सेतु की आधारशिला रखी।
- ■ डिब्रूगढ़ के नामरूप में 500 टीपीडी मेथनॉल संयंत्र का शुभारंभ किया।
- ■ विभिन्न रेल खंडों के दोहरीकरण और विद्युतीकरण सहित पांच रेलवे परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया गया।
- ■ शिवसागर में रंग घर के सौंदर्यीकरण के लिए भी एक परियोजना की आधारशिला भी रखी।

■ गुवाहाटी के सरुसजाई स्टेडियम में बिहू कलाकारों ने स्थापित किए दो अलग-अलग विश्व कीर्तिमान।

सरकारी योजनाएं जन-जन तक पहुंचाने का निर्देश

असम के राज्यपाल के रूप में अपना कार्यभार संभालने के बाद श्री गुलाब चन्द कटारिया ने राज्य के विभिन्न जिलों एवं प्रशासनिक कार्यालयों का दौरा किया और वहां की विकास योजनाओं के कार्यान्वयन, कानून-व्यवस्था, शिक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा अन्य कई महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में जानकारी ली।

कामरूप (मेट्रो) का जिला उपायुक्त कार्यालय

राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 17 मार्च 2023 को कामरूप (मेट्रो) के जिला उपायुक्त कार्यालय का पहला दौरा किया। यहां उन्होंने जिला उपायुक्त, पुलिस आयुक्त, विभिन्न सरकारी विभागों के प्रमुखों और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने जिले में विकास कार्यों, मौजूदा कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की। जिला उपायुक्त कार्यालय के कांफ्रेंस हॉल में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता करते हुए राज्यपाल श्री कटारिया ने कृषि विभाग, बागवानी विभाग, जनस्वास्थ्य अभियान्त्रिकी विभाग, शिक्षा विभाग, गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी), गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) सहित अन्य विभागों की योजनाओं के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने प्रशासन से यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष पहल करने को कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के निचले तबके तक जल्द से जल्द पहुंचे। जिला उपायुक्त श्री पल्लव गोपाल झा ने राज्यपाल को जिले में चल रहीं विभिन्न विकास योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन सरकार के योजनाओं का लाभ हर वर्ग के लोगों तक पहुंचाने पर पूरा जोर दिया जा रहा है।

बैठक में राज्यपाल ने सतत जल प्रबंधन के लिए वर्षा जल संचयन पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि कृषि और बागवानी का सामाजिक–आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने जिला कृषि अधिकारी को कृषि संबंधित सभी योजनाओं का लाभ प्रगतिशील किसानों तक पहुंचाने का निर्देश दिया। राज्यपाल श्री कटारिया ने जिले में चल रहीं सभी परियोजनाओं को जल्द से जल्द पूर्ण करने के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इससे पहले राज्यपाल श्री कटारिया ने जिला उपायुक्त कार्यालय परिसर में पौधरोपण किया। इस दौरे के दौरान राज्यपाल के आयुक्त एवं सचिव श्री एस.एस मीनाक्षी सुंदरम भी राज्यापाल के साथ थे।

जोरहाट जिला

राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 27 मार्च 2023 को जोरहाट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का दौरा किया और यहां चिकित्सा सुविधाओं का जायजा लिया। राज्यपाल ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों सहित कैंसर केयर सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मरीजों से भी बात की और उनकी आवश्यकताओं का आकलन किया। इसके बाद उन्होंने कॉलेज के विभिन्न विभागों के प्रमुखों के साथ एक बैठक की।

बैठक में जोरहाट जिला उपायुक्त श्री पूलक महंत और पुलिस अधीक्षक भी उपस्थित थे। बाद में उन्होंने जिला उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक और अन्य सरकारी विभागों के प्रमुखों के साथ भी बैठक की और जिले में चल रही विकास कार्यों और मौजूदा कानून–व्यवस्था की जानकारी ली।

राजवाणी
वर्ष-01 * अंक - 01 * 22 फरवरी-मई 2023

गोलाघाट जिला

अपने गोलाघाट दौरे के दौरान 27 मार्च 2023 को राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने जिला उपायुक्त कार्यालय के कान्फ्रेंस हॉल में एक बैठक की, जिसमें जिले में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के कार्यान्वयन पर चर्चा की गई। बैठक में जिला उपायुक्त श्री पी. उदय प्रवीण ने पावर प्वॉइंट के माध्यम से गोलाघाट के विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं की प्रगति और इस मिल रहे लाभ के बारे में राज्यपाल को बताया।

राज्यपाल श्री कटारिया ने कृषि विभाग के कार्यों, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और असम मिल्लेट मिशन की समीक्षा की। उन्होंने यहां के चाय बागानों में स्थापित मॉडल स्कूलों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने पंचायती राज और ग्रामीण विकास विभाग के साथ समीक्षा बैठक की। वहीं राज्यपाल ने जिले की पुलिस अधीक्षक श्रीमती रमनदीप कौर से पुलिस प्रशासन की कार्य प्रणाली जिले में मौजूदा कानून व्यवस्था पर चर्चा की। उन्होंने जिले में अपराधिक दर कम होने पर संतोष व्यक्त करते हुए पुलिस की क्षमता और जज्बा तथा प्रतिस्पर्द्धा बढ़ाने के लिए जिले के पुलिस थानों के लिए ग्रेडिंग सिस्टम शुरू करने की वकालत की। इससे पहले राज्यपाल श्री कटारिया ने गोलाघाट के नुमलीगढ़ शोधनागार का दौरा किया और यहां मौजूद विभिन्न प्रयोगशालाओं और कार्यक्षेत्र का जायजा लिया।

मोरीगांव जिला

राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 4 अप्रैल 2023 को मोरीगांव जिले का दौरा किया। मोरिगांव जिले के अपने पहले एकदिवसीय दौरे के दौरान उन्होंने जिला उपायुक्त के साथ बैठक की और उन्हें जिले में कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए जिला कृषि अधिकारी के साथ एक रूपरेखा तैयार करने को कहा। श्री कटारिया ने जिला उपायुक्त कार्यालय के कांफ्रेंस हॉल में जिला उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक और विभागाध्यक्षों के साथ समीक्षा बैठक की और जिले में मौजूदा कानून व्यवस्था के साथ-साथ विकास कार्यों का जायजा लिया। राज्यपाल श्री कटारिया ने कहा कि चूंकि मोरीगांव की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर है और जिले के अधिकांश लोग कृषि और संबद्ध क्षेत्रों से जुड़े हुए हैं, इसलिए जिले में कृषि को सर्वोपरि महत्व दिया जाना चाहिए। कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए व्यापक अध्ययन किया जाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि जिला प्रशासन को जिले में पारंपरिक और प्राकृतिक खेती पर भी ध्यान देना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि इससे राज्य की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। राज्यपाल कटारिया ने पुलिस अधीक्षक श्री हेमंत कुमार दास से जिले की कानून व्यवस्था बनाए रखने को कहा।

इससे पहले, राज्यपाल ने पोबितरा वन्यजीव अभयारण्य का भी दौरा किया और पर्यटकों को आकर्षित करने तथा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए यहां होम स्टे या रहने की अच्छी व्यवस्था करने को कहा। उन्होंने साथ ही स्थानीय युवाओं को पर्यटन के क्षेत्र में व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करने पर भी जोर दिया। अपने एकदिवसीय दौरे के दौरान राज्यपाल ने फिन फिश हैचरी और सीताजाखला दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति लिमिटेड का भी दौरा किया।

दरंग जिला

असम के राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 11 अप्रैल 2023 को दरंग जिले का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मंगलदै में असम कौशल विश्वविद्यालय के स्थल, 16 नं. पूब पाती दरंग आदर्श आंगनवाड़ी सेंटर, टेंगन टी एस्टेट मॉडल स्कूल का दौरा किया। उन्होंने जिले के अमृत सरोवर प्रोजेक्ट और दरंग कैंसर सेंटर का भी निरीक्षण किया। मंगलदै में असम कौशल विश्वविद्यालय के स्थल के दौरे के दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति की समीक्षा की और कुलपति श्री सुभाष चंद्र दास, आईएएस (सेवानिवृत्त) के साथ चर्चा की। कुलपति ने राज्यपाल को परियोजना के विकास की स्थिति के बारे में जानकारी दी। राज्यपाल ने निर्माण कार्य की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया और भरोसा जताया कि परियोजना के महत्व को ध्यान में रखते हुए यह विश्वविद्यालय दिसंबर 2024 तक अपनी शैक्षणिक गतिविधियों के लिए तैयार हो जाएगा। राज्यपाल ने 16 नंबर पूब पाती दरंग आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र का भी दौरा किया, जहां उन्होंने छात्रों के साथ कुछ समय बिताया। राज्यपाल ने उनके साथ बातचीत की और आंगनवाड़ी केंद्र में उनके अनुभव के बारे में पूछा। उन्होंने केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं का भी जायजा लिया और इस बात पर

जोर दिया कि केंद्र को बच्चों के विकास को बढ़ावा देने वाले अन्य शैक्षणिक संस्थानों के बराबर कार्य करना चाहिए। राज्यपाल कटारिया ने टेंगानी टी एस्टेट मॉडल स्कूल का भी दौरा किया। उन्होंने स्कूल के प्रिंसिपल श्री मुकुल शर्मा के साथ बैठक की, जहां उन्होंने शिक्षक-छात्र अनुपात और छात्रों के ड्रॉप-आउट को कम करने के लिए स्कूल की पहल के बारे में जानकारी ली। राज्यपाल ने छात्रों के साथ बातचीत की और शिक्षकों द्वारा प्रदान की गई कक्षाओं का निरीक्षण किया।

राज्यपाल ने जिले के अमृत सरोवर परियोजना का भी दौरा किया। उन्होंने सरोवर के आस-पास एक मनोरंजक स्थान बनाने के लिए जल संरक्षण परियोजना के साथ-साथ आजीविका सृजन के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने जल निकाय के चारों ओर उचित बाड़ लगाने की आवश्यकता पर जोर दिया तथा क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता को बढ़ाने के लिए एक सजावटी वृक्षारोपण अभियान का सुझाव दिया। राज्यपाल ने दरंग कैंसर सेंटर का भी दौरा किया और मरीजों के बीच मिठाई बांटी। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सैयद इफ्तिखार सुहानी ने उन्हें अस्पताल में मरीजों के लिए उपलब्ध सुविधाओं से अवगत कराया।

उदालगुड़ी जिला

असम के राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 12 अप्रैल 2023 को उदालगुड़ी जिले के अपने एक दिवसीय दौरे के दौरान भारत-भूटान सीमा पर स्थित बोरमुकली गए, जहां उन्होंने बोरोला बहुग्रामीण पाइप जलापूर्ति योजना का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत की और उन्हें आपूर्ति की जा रही पानी की गुणवत्ता के बारे में जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीणों को बताया कि जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीणों को पाइप से पानी उपलब्ध कराने के लिए ऐसी कई पहल की जाएंगी।

राज्यपाल ने **प्रगतिशील किसान श्री सत्येंद्र बसुमुतारी द्वारा बनाए गए एकीकृत बागवानी फार्म का भी जायजा लिया** और कड़ी मेहनत के लिए उनकी प्रशंसा की। मालूम हो कि बसुमतारी ने वर्ष 2020 को हॉर्टिकल्चर मिशन फॉर नॉर्थ ईस्ट एंड हिमालयन स्टेट्स (एचएमएनईएच) और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत मिले बीज से ड्रैगन फ्रूट (कमलाआम) की खेती शुरू की थी। बसुमतारी ने राज्यपाल को बताया कि उन्होंने अपने फार्म में सौर नलकूप और स्प्रिंकलर स्थापित किए हैं, जो उन्हें ग्रामीण बुनियादी ढांचा विकास निधि (आरआईडीएफ) और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) के तहत फसलों की सिंचाई के लिए मिले थे। तदनुसार, उन्होंने ड्रैगन फ्रूट और सुपारी के पौधों के लिए एक नर्सरी की स्थापना की, जिसे वे आसपास के गांवों में अन्य इच्छुक किसानों को बेचते हैं। बसुमतारी ने बताया कि उन्हें अपने खेत के विकास के लिए सरकार से वित्तीय मदद भी मिली।

राज्यपाल ने जिले में विभिन्न सरकारी परियोजनाओं की स्थिति पर चर्चा करने के लिए जिला उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक और अन्य विभागीय प्रमुखों के साथ बैठक की। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए अधिकारियों से सभी सरकारी कार्यालयों और स्कूलों के परिसरों में वृक्षारोपण अभियान शुरू करने का निर्देश दिया। श्री कटारिया ने जिले में अमृत सरोवर परियोजनाओं की प्रगति की भी जानकारी ली। शिक्षा विभाग के संबंध में, राज्यपाल ने जिला उपायुक्त से एनईपी 2020 के अनुरूप शिक्षा क्षेत्र को विकसित करने के लिए कदम उठाने को कहा। साथ ही चाय बागान क्षेत्रों में स्कूल ड्रॉप आउट के दर को कम करने के

उपाय करने के लिए भी कहा। राज्यपाल ने जिले में टीबी मुक्ति अभियान के बारे में जानकारी ली और इस बीमारी से प्राथमिकता के साथ निपटने की आवश्यकता पर जोर दिया।

राज्यपाल ने बाद में सीमावर्ती जिले में तैनात सुरक्षा एजेंसियों के साथ भी बैठक की और जिले में कानून व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया।

शिवसागर जिला

असम के राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 25 अप्रैल को शिवसागर जिले का दौरा किया। जिले के नाजिरा में राज्यपाल ने जिला प्रशासन के अधिकारियों, विभिन्न विभागों के प्रमुखों, सुरक्षा एजेंसियों, नागरिक निकायों के प्रतिनिधिमंडलों के साथ बैठकें कीं। बैठक के दौरान, राज्यपाल श्री कटारिया ने जिले में केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन की स्थिति पर चर्चा की। उन्होंने जिला उपायुक्त श्री आदित्य विक्रम यादव से कहा कि वे सभी योजनाओं

की प्रगति पर निगरानी रखें और यह सुनिश्चित करें कि योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर के लोगों तक पहुंचे। जिले के विभागों के प्रमुखों ने राज्यपाल को पीएमकेएसवाई, पीएमएफबीवाई, धान खरीद आदि सहित विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन के स्तर से अवगत कराया। कृषि के संबंध में, राज्यपाल ने कहा कि पारंपरिक खेती के अलावा, जिला मशीनरी को उच्च स्तर की पैदावार के लिए किसानों को वैकल्पिक खेती में मदद करनी चाहिए। राज्यपाल ने चाय बागान क्षेत्रों में शिक्षा की स्थिति और स्कूल ड्रॉप आउट के बारे में जानकारी ली। राज्यपाल ने स्कूलों में प्रधानमंत्री पोषण योजनाओं के कार्यान्वयन की भी जानकारी ली। राज्यपाल ने जिला प्रशासन से जल जीवन मिशन परियोजना के पूर्ण कार्यान्वयन को भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान, पीएमजेएवाई-ईकेवाईसी, जननी सुरक्षा योजना, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम आदि पर भी चर्चा की।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) श्री शुभज्योति बोरा ने राज्यपाल श्री कटारिया को जिले की कानून व्यवस्था के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। राज्यपाल ने एसपी को सभी लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण करने का निर्देश दिया। उन्होंने पुलिस प्रशासन द्वारा उठाए गए सड़क सुरक्षा उपायों की भी जानकारी ली। **ओएनजीसी के कार्यकलापों की जानकारी :** इससे पहले तेल कंपनी ओएनजीसी के अधिकारियों ने राज्यपाल को असम में ओएनजीसी की गतिविधियों से अवगत कराया। उन्हें ऊपरी असम में तेल और प्राकृतिक गैस के इतिहास के बारे में जनकारी दी गई। राज्यपाल ने ओएनजीसी से अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के रूप में युवाओं को उनके चुने हुए क्षेत्रों में सशक्त बनाने के लिए कौशल शिक्षा प्रदान करने का आग्रह किया।

चराईदेव जिला

असम के राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 26 अप्रैल को अपने चराईदेव जिले के दौरे के दौरान जिला उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक व अन्य विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की और जिले के विभिन्न प्रमुख सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन का जायजा लिया। राज्यपाल ने सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र के विकास के लिए डेयरी और मत्स्य क्षेत्र की क्षमता को बढ़ावा देने पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने जिले में कृषि क्षेत्र के विकास के लिए खेती के लिए पारंपारिक तरीकों के साथ आधुनिक तकनीकों का भी इस्तेमाल करने पर जोर दिया।

राज्यपाल ने मनरेगा के कार्यान्वयन, टीबी मुक्त अभियान सहित अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं पर भी चर्चा की। उन्होंने जिला उपायुक्त श्री पॉल बरुआ को शत-प्रतिशत टीबी उन्मूलन के उपाय करने का निर्देश दिया। जिले के पुलिस अधीक्षक ने राज्यपाल को जिले में कानून व्यवस्था की स्थिति से भी अवगत कराया। बाद में जिले के विभिन्न निकायों के प्रतिनिधियों ने राज्यपाल से मुलाकात की और सार्वजनिक महत्व से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की।

इससे पहले राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने प्रथम महिला श्रीमती अनिता कटारिया के साथ यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल के लिए नामांकित प्रसिद्ध चराइदेव मैदाम का दौरा किया। इस दौरे के दौरान उनके साथ राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग के मंत्री श्री जोगेन मोहन, सोनारी के विधायक श्री धर्मेश्वर कोंवर, असम के पुरातत्व विभाग की निदेशक श्रीमती दीपी रेखा कौली उपस्थित थीं।

शोणितपुर जिला

राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 29 अप्रैल 2023 को शोणितपुर जिले के दौरे के दौरान सर्किट हाउस में उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक और जिले में अधिकृत अन्य सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान, राज्यपाल ने केंद्र की विभिन्न योजनाओं की स्थिति और निष्पादन की समीक्षा की। उन्होंने जिले की कानून-व्यवस्था का भी जायजा लिया।

बैठक के बाद राज्यपाल प्रसिद्ध चित्रलेखा उद्यान भी गए, जहां उन्होंने नवनिर्मित मुख्य द्वार का अनावरण किया। उन्होंने उद्यान में एक पौधा भी लगाया। इस दौरान राज्यपाल को चित्रलेखा उद्यान के साथ-

साथ तेजपुर शहर के समृद्ध इतिहास और सांस्कृतिक महत्व से अवगत कराया गया। इस दौरे के दौरान तेजपुर से सांसद श्री पल्लव लोचन दास, विधायक पृथ्वीराज राभा और रंगापाड़ा के विधायक श्री कृष्णा कमल राज्यपाल के साथ थे। इस एकदिवसीय दौरे के दौरान उन्होंने तेजपुर के घोड़ामारी में राष्ट्रीय गौ धन महासंघ के सहयोग से विहंगम योग इंस्टीट्यूट ऑफ काउ मैनेजमेंट (विहंगम योग संस्थान प्रयागराज की सहायक कंपनी) द्वारा आयोजित पहले गौ कुंभ का उद्घाटन किया। राज्यपाल ने इस कार्यक्रम में पूर्वोत्तर के पहले गौ-वास और गाय अनुसंधान केंद्र का भी उद्घाटन किया।

तिनसुकिया जिला

असम के राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 2 मई 2023 को तिनसुकिया जिले का दौरा किया। इस एक दिवसीय दौरे के दौरान राज्यपाल ने जिला प्रशासन से जिले के चाय बागान क्षेत्रों के सभी घरों और स्कूलों में जलापूर्ति के लिए पाइपलाइन के कनेक्शन का काम तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया। जिला उपायक्त कार्यालय के कांफ्रेंस हॉल में आयोजित बैठक के दौरान राज्यपाल श्री कटारिया ने जिला उपायुक्त श्री स्वप्निल पॉल को जल जीवन मिशन के तहत जिले के सभी घरों और स्कूलों विशेषकर चाय बागान क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान राज्यपाल ने जिले में विभिन्न सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन का भी जायजा लिया। राज्यपाल ने जिले में शिक्षा, विशेषकर प्राथमिक शिक्षा का जायजा लिया। उन्होंने शिक्षा विभाग से स्कूल ड्रॉपआउट दर को कम करने के लिए विशेष कदम उठाने के लिए कहा। साथ ही यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि लड़कियां स्कूली शिक्षा के दायरे से बाहर न रहें। राज्यपाल ने कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ भी बैठक की और जिले के किसानों को उच्च स्तर की पैदावार के लिए खेती के वैकल्पिक तरीकों को आजमाने में मदद करने और उन्हें प्रोत्साहित करने को कहा। बैठक के दौरान राज्यपाल ने जिले में ओरुनोदोई, मिशन वसुंधरा, पीएमएवाई (जी), स्वच्छ भारत मिशन, अमृत सरोवर और प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) योजनाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान और पीएमजेएवाई आयुष्मान कार्ड, पीएमजेएवाई-ईकेवाईसी, जननी सुरक्षा योजना, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम आदि की स्थिति की भी जानकारी ली। राज्यपाल ने जिले के पुलिस अधीक्षक और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ भी बैठक की और जिले में कानून व्यवस्था की स्थिति के बारे में जानकारी ली। बैठक के दौरान उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों से साइबर अपराध और इसके प्रकटीकरण पर कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

इस एकदिवसीय दौरे के दौरान **राज्यपाल श्री कटारिया ने बोगानदी मॉडल आंगनवाड़ी केंद्र का दौरा किया और आंगनवाड़ी के विद्यार्थियों और शिक्षकों के साथ बातचीत की। उन्होंने डिगबोई रिफाइनरी का भी दौरा किया।** उन्होंने एशिया की सबसे पुरानी रिफाइनरी का दौरा करने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह रिफाइनरी तेल क्षेत्र में हमारे राज्य के प्राचीन विकास और समृद्ध विरासत को दर्शाती है।

जिला उपायुक्त कार्यालय, कामरूप

असम के राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 6 मई 2023 को कामरूप जिले के अपने एक दिवसीय दौरे पर जिला उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक, विभागों के प्रमुखों और अन्य हितधारकों के साथ बैठक की और जिले में विकास कार्यों और मौजूदा कानून-व्यवस्था का जायजा लिया। राज्यपाल ने यहां एकीकृत जिला उपायुक्त कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में बैठक की अध्यक्षता करते हुए सभी विभागों के कार्यों के प्रदर्शन की समीक्षा की। इसके अलावा, उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, पीएचई, समाज कल्याण, मनरेगा जैसे विभागों द्वारा विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन का भी जायजा लिया।

राज्यपाल ने आईआईटी-गुवाहाटी का भी दौरा किया और कार्यवाहक निदेशक प्रो. परमेश्वर के. अय्यर, संकाय सदस्यों और छात्रों के साथ बातचीत की। उन्होंने छात्रों को देश का भविष्य बनाने का चुनौतीपूर्ण कार्य करने के लिए शिक्षकों की भी सराहना की।

नव नियुक्त अधिकारियों को दिलाई शपथ

असम के राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने अलग-अलग मौकों पर तीन नवनियुक्त अधिकारियों को उनके पद की शपथ दिलाई। जिन नवनियुक्त अधिकारियों को राज्यपाल ने शपथ दिलाई, उनमें न्यायाधीष (सेवानिवृत्त) श्री हितेश कुमार, ए.सी.एस. (सेवानिवृत्त) श्रीमती नजरीन अहमद और आइ.पी.एस. (सेवानिवृत्त) श्री भाष्कर ज्योति महंत शामिल हैं।

राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 3 मार्च 2023 को राजभवन में **माननीय न्यायाधीष (सेवानिवृत्त) श्री हितेश कुमार** को उप-लोकायुक्त के पद की शपथ दिलाई। इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री हिमंत विश्व शर्मा, राज्य सरकार के प्रधान सचिव श्री पवन कुमार बरठाकुर, डीजीपी जी.पी. सिंह, गौहाटी हाईकोर्ट के न्यायाधीश, कानून बिरादरी के सदस्य और अन्य शीर्ष अधिकारी भी मौजूद थे।

14 मार्च 2023 को राज भवन के दरबार हॉल में राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने **ए.सी.एस. (सेवानिवृत्त) श्रीमती नजरीन अहमद** को असम लोक सेवा आयोग (ए.पी.एस.सी.) की अधिकारी के रूप में शपथ दिलाई। इस अवसर पर ए.पी.एस.सी. के चैयरमैन श्री भारतभूषण देव चौधरी, राज्य सूचना आयुक्त श्री समुद्रा गुप्ता कश्यप, कामरूप (मेट्रो) के जिला उपायुक्त श्री पल्लव गोपाल झा, पुलिस आयुक्त श्री दिगंत बोरा, एपीएससी के सदस्य एवं कर्मचारी और शीर्ष प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 5 अप्रैल 2023 को **आई.पी.एस. (सेवानिवृत्त) अधिकारी श्री भाष्कर ज्योति महंत** को राज्य प्रमुख सूचना आयुक्त के पद की शपथ दिलाई। इस कार्यक्रम में राज्य सरकार के शिक्षा सलाहकार प्रो. ननी गोपाल महंत, प्रशासनिक सुधार और प्रशिक्षण के आयुक्त एवं सचिव श्री शांतनु पी. गोटमारे, राज्य सूचना आयुक्त श्री समुद्रा गुप्ता कश्यप, कामरूप (मेट्रो) के जिला उपायुक्त श्री पल्लव गोपाल झा, पुलिस आयुक्त श्री दिगंत बोरा, एपीएससी के सदस्य एवं कर्मचारी और शीर्ष प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

शपथ दिलाने के बाद राज्यपाल ने तीनों नव नियुक्त अधिकारियों को उनकी नई भूमिका और दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वाहन के लिए शुभकामनाएं दीं।

ओ.पी. जिंदल ग्लोबल विश्वविद्यालय, गुवाहाटी में 'एडुकेटर्स मीट'

असम के राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने राज्यपाल का पद ग्रहण करने के बाद मार्च से मई 2023 तक राज्य के कई विश्वविद्यालय का दौरा किया और इन शिक्षण संस्थानों की शिक्षा व्यवस्था के बारे में जाना। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, प्रोफेसरों और प्रबंधकों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा और कौशल विकास पर जोर देने को कहा।

शिक्षा किसी भी राष्ट्र की रीढ़ होती है और यह मानव संसाधनों को बढ़ावा देने में एक बड़ी भूमिका निभाती है, जो एक समृद्ध राष्ट्र की कुंजी है। असम के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने 22 मार्च 2023 को ओ.पी. जिंदल ग्लोबल विश्वविद्यालय द्वारा गुवाहाटी के एक स्थानीय होटल में आयोजित 'एडुकेटर्स मीट' के दौरान उक्त बातें कही। इस बैठक का विषय 'उच्च शिक्षा का वर्तमान और भविष्य' था। इस विषय पर राज्यपाल श्री कटारिया ने कहा कि उच्च शिक्षा राष्ट्र के विकास के लिए प्रेरक शक्ति है। उच्च शिक्षा जीवन के विभिन्न पहलुओं जैसे सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक और तकनीक को बढ़ावा देती है, जो किसी भी देश के सतत विकास के लिए महत्वपूर्ण है। राज्यपाल ने भारतीय शिक्षा प्रणाली के गौरवशाली अतीत का जिक्र करते हुए कहा कि यूरोप में पहले विश्वविद्यालय के उद्भव से बहुत पहले, भारत में उच्च शिक्षा प्रणाली ने प्राचीन दुनिया में ज्ञान की लौ जलाई थी। उन्होंने कहा कि अतीत में भारत में नालंदा और तक्षशिला जैसे महान विश्वविद्यालयों ने ज्ञान के प्रसार के लिए दुनिया भर के सर्वश्रेष्ठ छात्रों और शिक्षकों को आकर्षित किया। राज्यपाल ने कहा कि देश में उच्च शिक्षा के विकास में तकनीकी विशेषज्ञता हासिल करने पर जोर दिया जा रहा है, जो न केवल भावी पीढ़ियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करेगा, बल्कि उन्हें जटिल तकनीकी कार्यों के लिए कुशल भी बनाएगा।

यू.एस.टी.एम. में कुलपतियों का तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन

अनुसंधान के परिणामों से मानवता को होना चाहिए लाभ : राज्यपाल

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेघालय (यूएसटीएम) में 25 मार्च 2023 को असम के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने कुलपतियों के तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में भाग लिया। इस सम्मेलन का विषय 'आत्मनिर्भर भारत के लिए परिवर्तनकारी उच्च शिक्षा' था। भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) द्वारा तथा यूएसटीएम के सौजन्य से आयोजित इस सम्मेलन में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों ने भाग लिया।

इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री कटारिया ने कहा कि विश्वविद्यालयों को मानवता के लाभ के लिए गुणवत्ता अनुसंधान की सुविधाओं और इसके परिणामों के प्रसार में अहम भूमिका निभानी चाहिए। विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा के अन्य संस्थानों को भी वैज्ञानिकों और अन्य शोधार्थियों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली अनुसंधान परियोजनाएं शुरू करनी चाहिए। इस मौके पर मेघालय के शिक्षा मंत्री श्री रक्कम ए संगमा, असम सरकार के शिक्षा सलाहकार श्री नानी गोपाल महंत, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव श्री अतुल कोठारी, भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) के महासचिव डॉ. पंकज मित्तल, उपाध्यक्ष, सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

असम कृषि और असम महिला विश्वविद्यालय का किया दौरा

राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने 26 मार्च 2023 को जोरहाट जिले का अपना पहला दौरा किया। इस दौरान उन्होंने असम कृषि विश्वविद्यालय और असम महिला विश्वविद्यालय का दौरा किया। सबसे पहले वे असम कृषि विश्वविद्यालय पहुंचे और यहां विश्वविद्यालय द्वारा चलाई जा रही विभिन्न गतिविधियों का जायजा लिया। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और शिक्षकों से कृषि उपज में सुधार के लिए शोध करने और किसानों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने में योगदान देने को कहा।

विश्वविद्यालय की शिक्षक बिरादरी के साथ बैठक के दौरान राज्यपाल श्री कटारिया ने किसानों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य देने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। राज्यपाल ने विद्यार्थियों से भी बातचीत की और उनके शोध कार्यों के बारे में जानकारी ली। राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कृषि-उद्यमिता के दायरे का पता लगाने की भी अपील की। साथ ही उन्होंने छात्रों को कृषि-उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए कहा, ताकि कृषकों को वित्तीय स्वतंत्रता प्रदान करने के साथ-साथ कृषि उपज में भी वृद्धि हो सके।

कृषि अनुसंधान में असम कृषि विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण भूमिका और कृषि उत्पादन में वृद्धि पर विचार करते हुए राज्यपाल ने कृषि क्षेत्र के लाभों और किसानों की भलाई के लिए पथ प्रवर्तक अनुसंधान पर जोर देने की अपील की। उन्होंने प्राकृतिक खेती पर भी जोर देने को कहा, क्योंकि असम में प्राकृतिक खेती के विकास की संभावनाएं अधिक हैं। राज्यपाल श्री कटारिया ने असम महिला विश्वविद्यालय का भी दौरा किया और वहां की छात्राओं और शिक्षकों के साथ बातचीत की। उन्होंने कहा कि असम महिला विश्वविद्यालय महिला शिक्षा के लिए एक अकादमिक गढ़ है और राज्य में महिला शिक्षा को बढ़ावा देने और उच्च शिक्षा के माध्यम से उन्हें सशक्त बनाने में एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में कार्य कर रहा है। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय की शिक्षण बिरादरी को महिलाओं की परिवर्तनकारी शिक्षा पर जोर देने और राज्य के मानव संसाधनों को सशक्त बनाने को कहा।

इस मौक पर असम कृषि विश्वविद्यालय (एएयू) के कुलापति डॉ. विद्युत चंदन डेका, असम महिला विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजंता बोरगोहाईं राजकोंवर, जोरहाट के जिला उपायुक्त श्री पुलक महंत सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

जोरहाट में वायु सेना के अधिकारियों से चर्चा

असम के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने 28 मार्च 2023को जोरहाट के अपने दौरे के दौरान वायुसेना स्टेशन, जोरहाट का भी दौरा किया। वायुसेना के अधिकारियों ने राज्यपाल को 1962 के बाद के इतिहास, इसकी भूमिका और कार्य के बारे में जानकारी दी। अधिकारियों ने आम नागरिकों को विभिन्न परिस्थितियों में दी जाने वाली सहायता और वायु सेना के आपदा राहत मिशन (एचएडीआर) के बारे में बताया। राज्यपाल ने वायु सेना स्टेशन, जोरहाट की कार्यप्रणाली और उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के दौरान न केवल वर्दीधारी कर्मियों, बल्कि नागरिकों को भी सहायता प्रदान करने में 5 एएफएच की भूमिका की प्रशंसा की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि राष्ट्र के अग्रिम पंक्ति के योद्धाओं में शामिल होना गर्व की बात है। उन्होंने राष्ट्रीय कर्तव्य का निर्वहन करने के लिए सभी वर्दीधारी कर्मियों के प्रति उनके परिश्रम के लिए आभार और सम्मान व्यक्त किया। इसके बाद राज्पाल श्री कटारिया एयरफोर्स स्कूल जोरहाट भी गए। राज्यपाल के दौरे के दौरान एयर कमोडोर भुवन माथुर, एयर फोर्स कमांडिंग एयर फोर्स स्टेशन, जोरहाट और एयर कमोडोर सुनील अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

नलबाड़ी के संस्कृत विश्वविद्यालय में क्लास रूम का उद्घाटन

एक अप्रैल 2023 को नलबाड़ी जिले के दौरे के दौरान राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने 'कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत एंड एंशियंट स्टडीज यूनिवर्सिटी' का दौरा किया और कुलपति श्री प्रह्लाद आर. जोशी और अन्य संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की।

विश्वविद्यालय के अपने पहले दौरे के दौरान, राज्यपाल ने कहा कि एक शैक्षणिक संस्थान का विकास छात्रों की गुणवत्ता पर निर्भर करता है। इसलिए, उन्होंने कुलपति और अन्य संकाय सदस्यों से अपनी ऊर्जा को अच्छे नैतिक चरित्र वाले छात्र तैयार करने के लिए उपयोग करने को कहा। उन्होंने कहा कि इससे विश्वविद्यालय के स्वभाव और भावना का प्रसार होगा। संस्थान केसदस्यों से बात करते हुए, राज्यपाल ने उनसे अपने मेहनती प्रयासों और शिक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के माध्यम से उच्च शैक्षणिक रैंकिंग प्राप्त करने की दिशा में प्रयास करने का आग्रह किया। इसके अलावा, राज्यपाल ने विद्यार्थियों के कौशल विकास पर भी जोर देने को कहा, ताकि वे राष्ट्र के विकास में सार्थक योगदान दे सकें। राज्यपाल श्री कटारिया ने विश्वविद्यालय परिसर में कृष्णकांत हैंडिक ओपन एयर क्लास रूम का उद्घाटन किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के पुस्तकालय का भी अवलोकन किया।राज्यपाल ने नलबाड़ी जिले के दौरे के दौरान जिला उपायुक्त और विभागाध्यक्षों के साथ बैठक की और जिले में कानून-व्यवस्था के साथ-साथ विकास कार्यों का जायजा लिया।

जिला उपायुक्त श्रीमती गितिमोनी फूकन ने राज्यपाल को जिले में चल रही केंद्र और राज्य सरकारों की योजनाओं के कार्यान्वयन की स्थिति से अवगत कराया। राज्यपाल श्री कटारिया ने पुलिस अधीक्षक से जिले की कानून-व्यवस्था बनाए रखने का निर्देश दिया। उन्होंने जिले में स्वास्थ्य और स्वच्छता, जल जीवन मिशन, शिक्षा, कृषि सहित अन्य की स्थिति का भी जायजा लिया।

असम राजीव गांधी सहकारिता एवं प्रबंधन विश्वविद्यालय में की बैठक

शिवसागर जिले की अपनी यात्रा के दौरान 26 अप्रैल 2023 को असम के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने असम राजीव गांधी सहकारिता और प्रबंधन विश्वविद्यालय का दौरा किया और संस्थान के कुलपति, प्रशासनिक अधिकारियों और संकाय सदस्यों के साथ बैठक की अध्यक्षता की।

कुलपति प्रो. देवव्रत दास ने विश्वविद्यालय के वित्तीय अनुदान, पाठ्यक्रम, भर्ती, छात्र प्रवेश और अनुसंधान गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। राज्यपाल श्री कटारिया ने स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में शिवसागर जिले की अनुकरणीय स्थिति की सराहना की। साथ ही विश्वविद्यालय में अपने विषयों के पाठ्यक्रमों को आगे बढ़ाने की अपार क्षमता पर प्रकाश डाला। उन्होंने सहकारी और प्रबंधन कौशल के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह आज के आधुनिक युग के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

इसके अलावा, राज्यपाल ने देश के इस हिस्से में सहकारी शिक्षा के परिदृश्य को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय के साथ काम करने में गहरी रुचि व्यक्त की। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में उन्होंने केंद्रीय और राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों के सभी कुलपतियों के साथ बैठक करने का फैसला किया है ताकि उनकी सभी कमियों को दूर किया जा सके और उन्हें समय की मांग के अनुसार अत्याधुनिक निर्देश प्रदान करने में मदद मिल सके। उन्होंने विश्वविद्यालयों को अपने समर्थन का आश्वासन दिया और राज्य में उच्च शिक्षा के दायरे को बढ़ाने के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया।

राजवाणी
वर्ष-01 * अंक - 01 * 22 फरवरी-मई 2023

डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय और श्रीमंत शंकरदेव विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह

राष्ट्र की प्रगति के लिए काम करने के लिए प्रतिबद्ध हों : राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने 3 मई 203 को डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह में भाग लिया। इससे पहले 27 अप्रैल 2023 को वे गुवाहाटी के रूपनगर स्थित महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए।

3 मई 2023 को आयोजित **डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह** में राज्यपाल श्री कटारिया ने कहा कि शिक्षा का मुख्य उद्देश्य व्यक्ति के समग्र शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास को प्राप्त करना है।

इस समारोह में भारत के उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ भी उपस्थित थे। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री कटारिया ने कहा कि डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय सभी क्षेत्रों में उच्च शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने में सबसे आगे रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करने के साथ-साथ विश्वविद्यालय ने समृद्ध पारंपरिक क्षेत्रीय ज्ञान और कौशल को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया है।

'आजादी का अमृत काल' के अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि हम आजादी का अमृत काल मना रहे हैं और यह हमारे भविष्य के लिए एक व्यापक शैक्षिक रोडमैप तैयार करने का समय है। अब यह आवश्यक है कि हम उन मुद्दों पर गहराई से विचार करें, जो चिंता का विषय हैं। हमें एक राष्ट्र के रूप में हमारी प्राथमिकताओं का पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए। हमें खुद को आत्मनिर्भर बनाने के तरीके तलाशने की जरूरत है। हम में से प्रत्येक को अपने राष्ट्र की प्रगति के लिए काम करने के लिए प्रतिबद्ध होना होगा।

राज्यपाल ने एनईपी 2020 के महत्व पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का क्रियान्वयन प्राथमिक से उच्च शिक्षा स्तर तक 21वीं सदी के शिक्षार्थियों की जरूरतों को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 उच्च शिक्षा में प्रमुख सुधारों पर केंद्रित है, जो अगली पीढ़ी को नए डिजिटल युग में प्रतिस्पर्द्धा करने में सक्षम बनाएगी। राज्यपाल ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 निरंतर सुधार के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पांच प्रमुख स्तंभों पर ध्यान केंद्रित करती है, जो 'क्षमता', 'पहुंच', 'गुणवत्ता', 'इक्विटी', और 'जवाबदेही' हैं। इसे नागरिकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है, क्योंकि समाज और अर्थव्यवस्था में नए कौशल और ज्ञान की नियमित मांग की आवश्यकता होती है। उन्होंने इस अवसर पर एनईपी 2020 को तेजी से लागू करने के प्रयासों के लिए डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय की सराहना करते हुए कहा कि यह खुशी की बात है कि संस्थान ने चार साल के स्नातक कार्यक्रम की शुरुआत के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का कार्यान्वयन शुरू कर दिया है।

उल्लेखनीय है कि डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय 20 विश्व विश्वविद्यालयों के कनेक्ट कार्यक्रम की मेजबानी और भाग लेने के लिए देश में उच्च शिक्षा के 76 चयनित प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक है। राज्यपाल ने कहा कि यह 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के विचार को कायम रखता है, जो हमारे भारतीय मूल्यों और परंपराओं के अनुरूप वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा को मूर्त रूप देता है।

राज्यपाल ने कौशल आधारित शिक्षा पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान पीढ़ी में कौशल शिक्षा की मांग बढ़ रही है, जो

युवाओं में उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा दे सकती है। उन्होंने युवा स्नातकों से उद्यमिता उद्यम के लिए आगे आने का भी आग्रह किया और कहा कि युवाओं को उद्यमी के रूप में आगे आना चाहिए और दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा करने चाहिए। डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय अपने छात्रों के लिए कौशल आधारित शिक्षा विकसित करने को उच्च प्राथमिकता देने पर खुशी जताई। राज्यपाल ने कहा कि कौशल प्राप्त करने का मूल्य बहुआयामी हो सकता है। इसलिए, उद्यमशीलता के लक्ष्य को पूरा करने के लिए कौशल ज्ञान की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सामाजिक समावेशन का मुद्दा समान रूप से महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से गरीब, कमजोर और वंचित वर्गों के संदर्भ में। अगर भारत को विकसित होना है, तो यह गरीबों की कीमत पर नहीं होना चाहिए।

दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री श्री रामेश्वर तेली, असम के शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू, कुलपति प्रो. जितेन हजारिका, विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं सहित अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद थे।

इससे पहले 27 अप्रैल 2023 को राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने **गुवाहाटी के रूपनगर स्थित महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह** में शामिल हुए। यहां आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री कटारिया ने कहा कि 15वीं शताब्दी के महान संत और दार्शनिक के नाम और विचारधारा के आधार पर स्थापित महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव विश्वविद्यालय, श्रीमंत शंकरदेव के जीवन और दर्शन को बढ़ावा देने और व्यापक बनाने में उत्कृष्ट सेवा प्रदान कर रहा है। राज्यपाल ने कहा कि वर्ष 2014 में स्थापित, विश्वविद्यालय श्रीमंत शंकरदेव की शिक्षाओं के प्रसार के साथ सामाजिक संवर्धन की सुविधा के लिए एक शक्तिशाली उपकरण बन गया है।

शिक्षा के प्रचार-प्रसार में महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव विश्वविद्यालय की भूमिका की सराहना करते हुए राज्यपाल ने कहा कि महापुरुष के नाम पर स्थापित विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होना हमेशा एक सम्मान की बात है। राज्यपाल ने कहा कि छात्रों को प्रदान की गई डिग्रियां उन्हें विशेष बनाती हैं। इसलिए, उन्होंने उनसे समाज में गुणात्मक परिवर्तन लाने के लिए अपने स्तर पर सर्वोत्तम प्रयास करने के लिए कहा। उन्होंने महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के जीवन और दर्शन को दूर-दूर तक फैलाने में योगदान देने को कहा। उन्होंने इस अवसर पर विश्व विद्यालय की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए श्रीमंत शंकरदेव संघ की सराहना की, जो राज्य में एक सांस्कृतिक और शैक्षणिक समृद्धि प्रदान कर रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय बिरादरी से शंकरदेव के दर्शन और शिक्षाओं को और अधिक ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए विशेष प्रयास करने को कहा।

राज्यपाल ने यह भी कहा कि असम प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है। यह पवित्र भूमि सदियों तक शिक्षा के साथ-साथ पर्यावरण से जुड़े रहने के लिए सभी को प्रेरित करती है। इसलिए, उन्होंने विश्व विद्यालय बिरादरी से अपील की कि वे अपने छात्रों को संसाधनों का सावधानीपूर्वक और योजनाबद्ध तरीके से प्रबंधन करने के लिए सशक्त बनाने के लिए कदम उठाएं। राज्यपाल ने दीक्षांत समारोह में 23 पीएचडी, 10 एम.फिल छात्रों को डिग्रियां प्रदान कीं। इसके अलावा 452 छात्रों को पी.जी. और यू.जी. डिप्लोमा प्रदान की।

छात्रों को बधाई देते हुए, राज्यपाल ने कहा कि छात्रों को यह नहीं भूलना चाहिए कि उन्होंने एक ऐसे विश्वविद्यालय से डिग्री प्राप्त की है, जिसका नाम श्रीमंत शंकरदेव से लिया गया है। उन्हें समाज को नि:स्वार्थ सेवाएं प्रदान करनी चाहिए और इसे एक आदर्श स्थान बनाने में मदद करनी चाहिए जहां मानवता पूर्ण रूप से प्रस्फुटित होगी। उन्होंने डिग्री धारकों को शुभकामनाएं दीं।

और सार्थक कैरियर और लोगों के कल्याण और राष्ट्र के विकास

राजवाणी
वर्ष-01 * अंक - 01 * 22 फरवरी-मई 2023

'सक्षम 2023' में राज्यपाल की उपभोक्ताओं से अपील

पेट्रोलियम पदार्थों के संरक्षण में दें योगदान

असम के राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 24 अप्रैल 2023 को गुवाहाटी स्थित माधवदेव इंटरनेशनल ऑडिटोरियम में पेट्रोलियम उत्पादों के संरक्षण के लिए आयोजित जागरूकता कार्यक्रम 'सक्षम-2023' का उद्घाटन किया। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान संघ (पीसीआरए) 1978 से देश में ऊर्जा संरक्षण के प्रयासों के बारे में उपभोक्ताओं को जागरूक करने के अभियान के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने कहा कि हमारा देश चीन और अमेरिका के बाद दुनिया में ऊर्जा का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है। हमारी ऊर्जा का एक-तिहाई स्रोत पेट्रोलियम उत्पादों का है, जो बहुत तेजी से कम हो रहा है। हम अक्षय ऊर्जा स्रोतों पर अपनी निर्भरता बढ़ाने के उपाय कर रहे हैं, ऊर्जा के स्रोत के रूप में पेट्रोलियम उत्पादों की मांग अभी भी बढ़ रही है। देश की ऊर्जा मांग को पूरा करने के लिए देश कच्चे तेल के आयात पर बहुत अधिक निर्भर है। हालांकि असम में चार रिफाइनरियों के साथ पर्याप्त रिफाइनिंग क्षमता है और इस क्षमता को और बढ़ाया जाएगा।

राज्यपाल ने कहा कि आयातित ऊर्जा पर देश की निर्भरता को कम करने के तरीके और साधन तैयार करना हर किसी के लिए अनिवार्य हो गया है।

राज्यपाल ने पूरे देश में जनता के बीच गहन संरक्षण जागरूकता अभियान चलाने के लिए पीसीआरए और सार्वजनिक क्षेत्र की तेल और गैस कंपनियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने सभी संबंधितों से इस महान कारण में सक्रिय रूप से भाग लेने और अभियान को जीवन शैली में बदलने की अपील की।

'प्रो. शरत महंत को सच्ची श्रद्धांजलि है उनकी स्मृति में व्याख्यानमाला'

गुवाहाटी के रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी में 1 मई 2023 को आयोजित 8वें प्रो. शरत महंत स्मृति व्याख्यान में असम के राज्यपाल गुलाब चन्द कटारिया ने भाग लिया। स्व. महंत की महान विरासत को याद करते हुए राज्यपाल ने कहा कि प्रो. शरत महंत न केवल एक विद्वान शिक्षाविद थे, बल्कि एक सच्चे बहुश्रुत और एक प्रकाशमान व्यक्ति थे, जिनकी बहुमुखी बौद्धिक गतिविधियों में दर्शन, इतिहास और सामाजिक सक्रियता जैसे विविध क्षेत्र शामिल थे। मानवाधिकारों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता ने उन्हें अपने साथियों और छात्रों के बीच अत्यधिक सम्मान और प्रशंसा अर्जित की।राज्यपाल ने कहा कि यह खुशी की बात है कि उनकी विरासत को सम्मानित और मनाया जाना जारी है। उनकी स्मृति में आयोजित एक व्याख्यान श्रृंखला, उनके स्थायी प्रभाव और उनके आसपास के लोगों के जीवन पर उनके गहरे प्रभाव के लिए एक वसीयतनामा के रूप में है। उनके जीवन और कार्यों को इस तरह से याद करने का प्रयास बेहद सराहनीय है और दुनिया की हमारी समझ में उनके

योगदान के स्थायी मूल्य और प्रासंगिकता के बारे में बहुत कुछ बताता है। यह उनके लिए एक सच्ची श्रद्धांजलि है, जिसका जीवन ज्ञान की खोज व समाज की बेहतरी के लिए समर्पित था।

असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट में जलवायु परिवर्तन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

अनुसंधान आधारित नवीन उपायों पर करें काम : राज्यपाल

जोरहाट में स्थित असम कृषि विश्वविद्यालय (एएयू) में 25 अप्रैल को ''जैव विविधता, खाद्य सुरक्षा, संधारणीयता और जलवायु परिवर्तन'' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने उद्घाटन किया। इस मौके पर राज्यपाल ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और भूमि एवं कृषि पर इसके प्रभाव को देखते हुए असम कृषि विश्वविद्यालय को इस समस्या से निपटने के लिए अनुसंधान आधारित नवीन उपायों पर काम करना चाहिए। राज्यपाल श्री कटारिया ने कहा कि दुनिया भर में पूरी कृषि बिरादरी कृषि क्षेत्र की स्थिरता पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इसे देखते हुए असम कृषि विश्वविद्यालय जैसे कृषि संस्थानों के लिए जैव विविधता, खाद्य सुरक्षा, संधारणीयता और जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने की जिम्मेदारी लेना और अनुसंधान आधारित अभिनव समाधानों में शामिल होना सबसे महत्वपूर्ण है।

राज्यपाल श्री कटारिया ने जलवायु परिवर्तन की स्थिति में खाद्य सुरक्षा के लिए प्राकृतिक खेती पर जोर दिया। श्री कटारिया ने कहा कि जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक समस्या है और मानव जाति पहले से ही इसके कु-प्रभावों का सामना कर रही है। बढ़ता तापमान और अनियमित वर्षा के कारण बाढ़ और सूखे जैसी स्थितियां पैदा हो रही हैं। इस असामान्य जलवायु परिवर्तन के फलस्वरूप अर्थव्यवस्था का हर क्षेत्र अत्यधिक प्रभावित हो रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के आर्थिक, पर्यावरण और सामाजिक प्रभाव और प्रकृति पर इसके प्रतिकूल प्रभाव का गहराई से विश्लेषण करने की आवश्यकता है। उन्होंने वैज्ञानिकों से एक एजेंडा निर्धारित कर इस मुद्दे को हल करने में महत्वपूर्ण योगदान देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि एएयू को जलवायु अनुकूल फसलों के साथ वर्ष भर अपनी भूमि पर खेती करने के लिए किसानों को सशक्त बनाने के तरीके तलाशने चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह सम्मेलन जैव विविधता, खाद्य सुरक्षा, संधारणीयता और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से निपटने के लिए उपयुक्त उपायों पर चर्चा करने और सुझाव देने के लिए एक आदर्श मंच साबित होगा।

तेजपुर में गौ कुंभ का किया उद्घाटन

शोणितपुर जिले के अपने एकदिवसीय दौरे के दौरान 29 अप्रैल 2023 को तेजपुर के घोड़ामारी में राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने राष्ट्रीय गौ धन महासंघ के सहयोग से विहंगम योग इंस्टीट्यूट ऑफ काउ मैनेजमेंट (विहंगम योग संस्थान प्रयागराज की सहायक कंपनी) द्वारा आयोजित पहले गौ कुंभ का उद्घाटन किया। राज्यपाल ने इस कार्यक्रम में पूर्वोत्तर के पहले गौ-वास और गाय अनुसंधान केंद्र का उद्घाटन किया।

राज्यपाल श्री कटारिया ने गौ कुंभ के आयोजन के लिए दानदाताओं और प्रबंधन समिति के सदस्यों की सराहना करते हुए कहा कि 'विहंगम योग इंस्टीट्यूट ऑफ काउ मैनेजमेंट' की तरह, यदि देश के अन्य हिस्सों में भी इसी तरह की परियोजनाओं को गंभीरता से लिया जाता है, तो गायों की रक्षा और गाय आधारित उत्पादों के संवर्धन से अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अभूतपूर्व प्रगति हासिल की जा सकती है। राज्यपाल ने आगे कहा कि देश में गायों की घटती संख्या को देखते हुए सभी के लिए सक्रिय कदम उठाना और भी महत्वपूर्ण हो गया है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि इन गो जातीय पशुओं के संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए लोगों को और अधिक गौशालाएं स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करें।

अपने शोणितपुर जिले के दौरे के दौरान राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने सर्किट हाउस में उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक और जिले में तैनात अन्य सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान, राज्यपाल ने विभिन्न केंद्र प्रायोजित योजनाओं की स्थिति और निष्पादन की समीक्षा की। उन्होंने जिले की कानून व्यवस्था का भी जायजा लिया।

हेमकोश : श्री जयंत बरुआ को प्रदान किया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स का प्रमाण पत्र

गौहाटी विश्वविद्यालय के बीकेबी हॉल में 1 मई 2023 को असम के माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने सबसे बड़े द्विभाषी ब्रेल शब्दकोश 'हेमकोश' के आधिकारिक 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स प्रमाण पत्र' सौंपने के समारोह में भाग लिया। हेमकोश के प्रकाशक और 'प्रतिदिन मीडिया नेटवर्क' के अध्यक्ष श्री जयंत बरुआ ने राज्यपाल की गरिमामयी उपस्थिति में प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

'सदिन प्रतिदिन ग्रुप' की टीम को उनकी इस नेक पहल के लिए बधाई देते हुए राज्यपाल ने कहा कि अटूट समर्पण और अथक प्रयासों ने इस ऐतिहासिक परियोजना को सफल बनाया है। उन्होंने यह भी व्यक्त किया कि ब्रेल शब्दकोश की अवधारणा और अनावरण का यह महत्वपूर्ण प्रयास व्यक्तियों के लिए देश भर में विभिन्न भाषाओं में शब्दकोशों के अधिक ब्रेल संस्करणों पर विचार करने और बनाने के लिए एक प्रेरणा है। यह नि:स्संदेह दृष्टिबाधित समुदाय को सशक्त और उन्नत करेगा, जिससे उन्हें सूचना और ज्ञान तक आसानी से पहुंचने में मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि नेत्रहीन समुदाय को यह संसाधन उपलब्ध कराकर ज्ञान अर्जन और समावेशी शिक्षा के एक नए युग की शुरुआत की गई है।

यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है कि इसने असमिया समाज को आगे बढ़ाया है यह प्रदर्शित करते हुए कि दृढ़ संकल्प और सहानुभूति के साथ कुछ भी संभव है। इस शब्दकोश को बनाने का प्रकाशक का निर्णय उस सकारात्मक प्रभाव का एक चमकदार उदाहरण है, जो समाज पर एक कार्य का हो सकता है। यह नई पीढ़ियों के लिए अधिक समावेशी और ज्ञान-संचालित दुनिया के लिए प्रयास करने के लिए मंच तैयार करता है। गौरतलब है कि स्वर्गीय हेमचंद्र बरुआ के पोते श्री जयंत बरुआ द्वारा संकल्पित और प्रकाशित 'हेमकोश' का ब्रेल संस्करण दुनिया का सबसे बड़ा द्विभाषी ब्रेल शब्दकोश होने का गौरव प्राप्त किया है। 'हेमकोश' के 14वें संस्करण के नियमित शब्दकोश से अनुकूलित, ब्रेल संस्करण में 21 खंडों और छह भागों में मुद्रित 90,640 शब्द शामिल हैं, जो 10,279 पृष्ठों में फैला हुआ है और इसका वजन 80.800 किलोग्राम है।

अखिल भारतीय बधिर सम्मेलन में दिव्यांगों का बढ़ाया मनोबल

माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 20 मई 2023 को गुवाहाटी के माधवदेव ऑडिटोरियम में आयोजित सातवें अखिल भारतीय बधिर सम्मेलन में भाग लिया।

इस मौके पर राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने कहा कि यह बधिरों के लिए बने संठगनों और सरकारी मशीनरियों का कर्तव्य है कि दिव्यांगजनों के लिए बनी योजनाओं का प्रचार-प्रसार करे ताकि इन योजनाओं के उद्देश्य की पूर्ति की जा सके। इसमें आम लोग भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि सम्मेलन को भी बधिरों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए चुनौतियों को समझने और उसका निवारण करने पर जोर देना चाहिए। इसके अलावा सांकेतिक भाषा के प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण देना चाहिए ताकि वे बधिरों को आधुनिक और तकनीकी रूप से प्रशिक्षण दे सके। समग्र

शिक्षा अभियान (SSA) की प्रशंसा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि मुझे खुशी है कि बधिरों के लिए एसएसए सांकेतिक भाषा के प्रचार-प्रसार में अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि एसएसए हर वर्ष 23 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक दिवस मनाता है और नए प्रयास के तहत 'नि:शब्द' नामक एक फेसबुक पेज भी बनाया, ताकि लोगों को सांकेतिक भाषा समझने के लिए प्रोत्साहित कर सकें। राज्यपाल ने कहा कि ऐसे सद्प्रयासों से ही हम बधिरों एवं अन्य दिव्यांगजों को प्रोत्साहित कर सकेंगे। उन्होंने राज्य के बधिर बरादरी को हर संभव मदद देने की प्रतिबद्धता जताते हुए आश्वासन दिया कि राज्य सरकार दिव्यांगजनों के विकास और उनकी बेहतरी के लिए काम कर रहे संगठनों को सहायता प्रदन करेगी।

अखिल भारतीय बधिर महासंघ (एआईएफडी), नई दिल्ली द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में एआईएफडी के अध्यक्ष श्री सुनिल सहस्त्रबुद्धे, महासचिव श्री रोशन कुमार, सलाहकार एवं 'नेमकेयर' अस्पताल के प्रबंध निदेशक डॉ. हितेश बरुआ, असम बधिर संघ के महासचिव श्री तपन कुमार शर्मा के साथ-साथ बड़ी संख्या में बधिर विद्यार्थी और देश के अन्य राज्यों से आए अतिथियों ने भाग लिया।

गौ विज्ञान पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

आईआईटी, गुवाहाटी में 20 और 21 मई 2023 को गौ विज्ञान पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था। 20 मई 2023 को राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने इस दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस सम्मेलन का विषय 'आधुनिक जीवन और चिकित्सा विज्ञान में गायों का महत्व' था। सम्मेलन को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री कटारिया ने कहा कि गाय हमारे भारतीय सामाजिक-आर्थिक और कृषि व्यवस्था का अभिन्न अंग रही है। आज गौ-विज्ञान हमारी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का काम कर रहा है। इसके अलावा आयुष चिकित्सा के क्षेत्र में भी यह प्रमुख नवाचारों को भी बढ़ावा दे रहा है।

राज्यपाल ने यह भी कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति में गायों का बहुत महत्व रहा है और वे माता के रूप में पूजनीय रही हैं। वेदों में गाय के दूध को अमृत के समान माना गया है। दूध की तरह गाय का गोबर और गोमूत्र भी मूल्यवान है। इसी तरह गाय का दूध, दही, घी और मक्खन मनुष्य के लिए पौष्टिक आहार है, उसी प्रकार गाय का गोबर और गोमूत्र धरती के लिए लाभदायक है। कटारिया ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि गाय कृषि उद्योग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। गाय धार्मिक और आर्थिक दृष्टि से ही महत्वपूर्ण है, बल्कि कुछ वैज्ञानिक तथ्य भी हैं, जो गाय के महत्व को बताते हैं। कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है और गाय कृषि के लिए बहुत उपयोगी होती हैं। राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि सम्मेलन आधुनिक विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के साथ प्राचीन परंपराओं के एकीकरण के लिए एक मजबूत मंच प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि देश भर के विद्वानों से बहुमूल्य सुझाव भी प्राप्त होंगे।

इस सम्मेलन में आईआईटी-गुवाहाटी के निदेशक प्रोफेसर परमेश्वर के अय्यर, भारतीय ज्ञान प्रणाली केंद्र के प्रमुख प्रोफेसर उदय एस दीक्षित, गाय विज्ञान अनुसंधान केंद्र के मुख्य संयोजक, देवलापार, नागपुर श्री सुनील मानसिंहका, भारतीय गोवंश संरक्षण संवर्धन परिषद के अध्यक्ष श्री विनोद कयाल और कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

'पार्टीशंड फ्रीडम' का किया विमोचन

भारतीय राजनीतिज्ञ एवं जाने-माने लेखक श्री राम माधव की पुस्तक 'पार्टिशंड फ्रीडम' का 21 मई 2023 को गुवाहाटी के होटल 'ताज विवांता' में विमोचन किया गया। माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने अपने कर-कमलों से इस पुस्तक का विमोचन किया। इस मौके पर राज्यपाल ने कहा कि देश के स्वतंत्रता संग्राम ने हालांकि हमारी राष्ट्रीय चेतना को आंदोलित किया, इसने मानव जीवन और संपत्ति दोनों को भारी नुकसान पहुँचाया। परिणामस्वरूप, जब भारत एक स्वतंत्र राष्ट्र बना, तो वातावरण आनंद और उल्लास का नहीं था।उन्होंने कहा कि भारत की आजादी पर केंद्रित राम माधव जी की यह नई किताब हमें अपने इतिहास को जानने-समझने की एक नई दृष्टि देगी। उन्होंने कहा कि विभाजन से उपजी समस्याओं को कम करने के लिए देशवासी कड़ी मेहनत कर रहे हैं। आजादी से पहले हमारे देश में जो जीवंतता थी, उसे फिर से खोजने के लिए अब हम एक मिशन मोड पर काम कर रहे हैं। श्री कटारिया ने श्री राम माधव को उनकी पुस्तक के विमोचन के लिए बधाई दी और आशा व्यक्त की कि उनकी यह पुस्तक पाठकों को देश और उसके अतीत को जानने और उसके सर्वांगीण विकास के लिए काम करने में मदद करेगी।

अपने व्यस्त कार्यक्रमों के बीच राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने मार्च से मई 2023 की अवधि के दौरान विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। राज्यपाल ने आईआईटी और आईआईएम के विद्यार्थियों और आईपीएस परिवीक्षा अधिकारियों से भी भेंट की।

आई.आई.टी. और आई.आई.एम. के विद्यार्थियों से संवाद

एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत युवा संगम कार्यक्रम के भाग के रूप में राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 1 मार्च 2023 को राजभवन में आईआईटी–जम्मू, आईआईटी–गांधी नगर और आईआईटी– बेंगलोर के छात्रों के साथ एक संवादात्मक कार्यक्रम किया। इस कार्यक्रम की अवधारणा शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विद्यार्थियों को अध्ययन, विकास और एक–दूसरे के साथ परस्पर संवाद करने का एक विशेष अवसर प्रदान करने के लिए की गई थी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों से बात करते हुए, राज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि हमारी युवा पीढ़ी को हमारे देश के समृद्ध इतिहास से जुड़ना चाहिए ताकि वे देश को बेहतर ढंग से समझ सकें और इसके विकास में योगदान दे सकें।

सहकारी बैंक के प्रतिनिधिमंडल से मिले

दो मार्च, 2023 को, राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने अमरेली जिला मध्यस्थ सहकारी बैंक और गुजरात राजभवन के अन्य सहकारी संघों के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की और उन मुद्दों पर चर्चा की, जिनमें राज्य के सहकारी क्षेत्र को आगे बढ़ाने की क्षमता है। बैठक में

किसानों की आय दोगुनी करने के माननीय प्रधान मंत्री के लक्ष्य के अनुरूप अपने एजेंडे पर चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि किसानों की भलाई वर्तमान सरकार की प्राथमिकता है। इसलिए, उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी हितधारकों से सतत और समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए किसानों के कल्याण को सर्वोच्च महत्व देने का अनुरोध किया। राज्यपाल ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री हमेशा किसानों की आय को दोगुना करने की आवश्यकता पर बल देते हैं, जिसमें राष्ट्रीय विकास को गति देने की क्षमता होती है। राज्यपाल ने जोर देकर कहा कि कृषक समुदाय के समग्र विकास के लिए एक सामूहिक दृष्टिकोण विकसित करना होगा। बैठक को इफको के अध्यक्ष और गुजरात के पूर्व कृषि एवं सहकारिता मंत्री श्री दिलीप संघानी ने भी संबोधित किया।

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल ने देखी लोकतंत्र की झलक

राजभवन में 12 मार्च, 2023 को राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने चिली, इक्वाडोर, केन्या, मैक्सिको, न्यूजीलैंड, नाइजीरिया, सूरीनाम

और स्विट्जरलैंड से आए 38 (अड़तीस) अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात की, जो अपने–अपने देशों की राजनीतिक दलों के सदस्य, उद्यमी तथा उभरते हुए नेता हैं। प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए राज्यपाल ने कहा कि भारत के पास ज्ञान साझा करने, सार्वजनिक संवाद और बौद्धिक औचित्य की एक अनूठी विरासत है। यह सबसे प्राचीन सभ्यता है और दुनिया हमेशा इसे धन और ज्ञान की भूमि के रूप में देखती है। राज्यपाल ने यह भी कहा कि पूर्वोत्तर भारत एक समृद्ध क्षेत्र है, जहां प्रकृति, लोग और उनकी अनूठी संस्कृति राष्ट्र के विकास को तालमेल के साथ ऊर्जा प्रदान करती है।

उल्लेखनीय है कि भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्षों के उत्सव के अंतर्गत भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) ने भारत की समृद्ध लोकतांत्रिक परंपराओं पर जोर देने के लिए जेन नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क कार्यक्रम का आयोजन किया है। इस कार्यक्रम के तहत, आईसीसीआर ने देश के लोकतंत्र की एक झलक दिखाने के लिए 75 लोकतांत्रिक देशों के युवा नेताओं को भारत आमंत्रित किया।

पूर्व राज्यपाल ले. जनरल अजय सिंह को दी श्रद्धांजलि

राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने नई दिल्ली में 19 अप्रैल 2023 को पूर्व राज्यपाल ले. जनरल अजय सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि दी और पुष्पमाला चढ़ाकर उनकी आत्मा की शान्ति के लिए प्रार्थना की। ज्ञात हो कि ले. जनरल अजय सिंह का नई दिल्ली में 18 मार्च 2023 को 88 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे वर्ष 2003 से 2008 तक असम के राज्यपाल रहे। अपने वेदना व्यक्त करते हुए राज्यपाल श्री कटारिया ने ले. जनरल अजय सिंह का निधन को देश के लिए अपूर्णीय क्षति बताया।

आई.पी.एस. परिवीक्षा अधिकारियों को किया प्रोत्साहित

राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारियां ने 14 मार्च 2023 को राजभवन में 2019, 2020 और 2021 बैच के असम कैडर के 10 (दस) आईपीएस परिवीक्षा अधिकारियों के साथ बातचीत की। राज्यपाल ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि एक आईपीएस अधिकारी की भूमिका बहुत चुनौतीपूर्ण होती है और समाज के लिए अत्यधिक महत्व रखती है। राज्यपाल ने परिवीक्षाधीन अधिकारियों से जिम्मेदारी निभाने और समाज में शांति और समृद्धि सुनिश्चित करने में योगदान देने का आग्रह किया।

एन.सी.एच.ए.सी. के प्रतिनिधियों ने की मुलाकात

28 मार्च 2023 को उत्तर कछार पर्वतीय स्वायत्त परिषद (एनसीएचएसी) के मुख्य कार्यकारी सदस्य (सीईएम) ने अन्य कार्यकारी सदस्यों (ईएम) के साथ राजभवन में राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया से मुलाकात की। बैठक के दौरान उन्होंने महिला साक्षरता से लेकर कुटीर उद्योग के विकास जैसे कई मुद्दों पर चर्चा की। राज्यपाल ने कहा कि चूंकि जिले में बाँस का भंडार है, इसलिए उन्हें इसे एक प्रमुख उद्योग बनाने और इसके मूल्यवर्धन पर ध्यान देने को कहा। राज्यपाल ने एनसीएचएसी के सीईएम और अन्य ईएम से लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए कड़ी मेहनत करने को कहा।

कार्बी आंग्लांग स्वायत परिषद के प्रतिनिधिमंडल से की चर्चा

कार्बी आंगलांग स्वायत्त परिषद (केएएसी) के मुख्य कार्यकारी सदस्य (सीईएम) ने परिषद के अन्य निर्वाचित सदस्यों के साथ 13 मार्च 2023 को राजभवन में राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारियां से मुलाकात की। बैठक के दौरान उन्होंने जिले के कई मुद्दों पर चर्चा की। राज्यपाल ने कहा कि किसी क्षेत्र विशेष में रहने वाले लोगों के लक्ष्यों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए छठी अनुसूची स्वायत्त परिषद बनाई गई थी। अत: सभी जनप्रतिनिधियों का कर्तव्य बनता है कि वे छठी अनुसूची के क्षेत्रों के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करें। राज्यपाल ने केएएसी के सीईएम, डॉ. तुलीराम रोंगहांग और अन्य कार्यकारी सदस्यों को लोगों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए तदनुसार काम करने की सलाह दी ।साथ ही उन्होंने केएएसी के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों के विकास के लिए हर संभव सहायता का आश्वासन भी दिया।

राजवाणी
वर्ष-01 * अंक - 01 * 22 फरवरी-मई 2023

राष्ट्रपति के साथ 'गज उत्सव' में राज्यपाल ने की शिरकत

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व (केएनपीटीआर), गोलाघाट में 7 अप्रैल 2023 को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा प्रोजेक्ट एलिफेंट के 30 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित 'गज उत्सव 2023' में असम के राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने शिरकत की। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर राज्यपाल श्री कटारिया ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के गज उत्सव के उद्घाटन के लिए काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में आने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी उपस्थिति वास्तव में राज्य को हाथी परियोजना की सफलता को और अधिक ऊंचाई तक ले जाने की प्रेरणा देगी। असम हाथियों के संरक्षण और संरक्षण की दिशा में प्रभावी तरीके से कार्य कर रहा है। राज्यपाल ने कहा कि असम आरक्षित वनों, वन्य जीवन अभयारण्यों और राष्ट्रीय उद्यानों से समृद्ध है। ये जंगल हाथियों की आबादी के लिए आदर्श आवास प्रदान करते हैं। इसलिए यह गज उत्सव राज्य में हाथी परियोजना को एक नई गति देगा। राज्यपाल ने राष्ट्रपति, केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु मंत्री श्री भूपेंद्र यादव और उनकी टीम को असम में गज उत्सव आयोजित करने के लिए आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में असम की प्रथम महिला श्रीमती अनीता कटारिया, केंद्रीय पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री श्री अश्विनी कुमार चौबे, राज्य के पर्यावरण और वन मंत्री श्री चंद्र मोहन पटवारी, वित्त मंत्री श्रीमती अजंता नेउग, कृषि मंत्री श्री अतुल बोरा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

नॉर्थ ईस्ट फोल्क फेस्ट 2023

पूर्वोत्तर की समृद्ध संस्कृति की प्रशंसा

राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 24 मार्च 2023 को गुवाहाटी के माछखोवा स्थित प्रागज्योति आईटीए सेंटर में आयोजित नॉर्थ ईस्ट फोल्क फेस्ट 2023 में पूर्वोत्तर की समृद्ध कला और संस्कृति की प्रशंसा की।

व्यतिक्रम मासडो द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में पूर्वोत्तर की विविध और समृद्ध संस्कृति की झलक दिखाई गई, जिसे देखकर राज्यपाल मंत्रमुग्ध हो गए। उन्होंने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्वोत्तर अपने प्राकृतिक संसाधनों के साथ-साथ अपनी कला और संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है। हमें इस पर गर्व होना चाहिए और इसके संरक्षण एवं संवद्धन के लिए प्रयास करने चाहिए।

आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम

गुवाहाटी महानगर के खारगुली स्थित डॉन बॉस्को इंस्टीट्यूट में 25 मार्च 2023 को आयोजित 14वें आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम में राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने शिरकत की।

इस मौके पर राज्यपाल श्री कटारिया ने कहा कि युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम देश की समृद्ध परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को साझा करने, बढ़ावा देने और संरक्षित करने में एक लंबा रास्ता तय करते हैं। यह एक ओर युवाओं के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करता है और दूसरी ओर उनके आत्म-बल और सम्मान को बढ़ाता है। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि छात्रों का आदान-प्रदान कार्यक्रम गतिशील आर्थिक परिदृश्य में अंतर्दृष्टि प्रदान करते हुए देश की बहुमुखी सांस्कृतिक बारीकियों, कालातीत अनुष्ठानों, लोक नृत्यों और समृद्ध परंपराओं से परिचित कराता है। भारत के विभिन्न राज्यों की यह पहल प्रशंसनीय है। राज्यपाल ने कहा कि इस तरह की पहल का राष्ट्र निर्माण में अत्यधिक महत्व है।

समारोह में असम सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री मनिंदर सिंह, एनएसएस के क्षेत्रीय निदेशक श्री दीपक कुमार, नेहरू युवा केंद्र संगठन के राज्य निदेशक श्री सैयद अली, और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

गौहाटी हाईकोर्ट के प्लेटिनम जुबली समारोह में पहुंचीं राष्ट्रपति श्री द्रोपदी मुर्मु का अभिवादन करते राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया।

गौहाटी उच्च न्यायालय का प्लेटिनम जुबली समारोह

सात अप्रैल 2023 को गौहाटी हाई कोर्ट के प्लेटिनम जुबली समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु और असम के राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने भाग लिया। राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु की उपस्थिति में इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि न्यायपालिका को लोकतंत्र के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक माना जाता है। यह न्यायपालिका है, जो अंततः संविधान और इसके प्रावधानों की व्याख्या करती है। कानून के शासन के संरक्षक और धारक, न्याय के रक्षक और अधिकार और स्वतंत्रता के प्रवर्तक के रूप में न्यायपालिका की भूमिका बहुत बड़ी होती है। गौहाटी हाईकोर्ट की विरासत निष्पक्षता और समानता के प्रति इसकी अटूट प्रतिबद्धता का एक उल्लेखनीय वसीयतनामा है। राज्यपाल ने उम्मीद जताई कि समाज की सेवा करने और न्याय दिलाने के लिए गौहाटी हाई कोर्ट के प्रयास सभी के लिए एक अनुकरणीय मानक स्थापित करना जारी रखेंगे। राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु ने भी सभा को संबोधित किया। भारत के सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डॉ. न्यायमूर्ति डी.वाई. चंद्रचूड़, केंद्रीय कानून मंत्री किरण रिजिजू, गौहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संदीप मेहता, गौहाटी उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के साथ कई अन्य गणमान्य व्यक्ति समारोह में उपस्थित थे।

गौहाटी हाईकोर्ट के प्लेटिनम जुबली के समापन समारोह में स्मारिका का विमोचन।

वहीं 14 अप्रैल 2023 को गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में गौहाटी हाईकोर्ट के प्लेटिनम जुबली के समापन समारोह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस कार्यक्रम में राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया और मुख्यमंत्री श्री हिमंत विश्व शर्मा भी मौजूद थे। कार्यक्रम में इनके अलावा केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री श्री किरेन रिरिजू, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री पेमा खांडू, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश श्री हृषिकेश रॉय और गौहाटी हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश श्री संदीप मेहता भी मौजूद थे।

उत्कल दिवस व भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव समारोह

गुवाहाटी के श्री श्री माधवदेव अंतर्राष्ट्रीय सभागार में 2 अप्रैल 2023 को आयोजित उत्कल दिवस समारोह में राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया शामिल हुए। इस समारोह का आयोजन कलिंग सांस्कृतिक संसद और जगन्नाथ मंदिर ट्रस्ट, गुवाहाटी द्वारा किया गया। राज्यपाल ने उत्कल दिवस के अवसर पर अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 1 अप्रैल, 1936 को देश के पहले भाषाई राज्य के रूप में उत्कल प्रांत का गठन हुआ था। ओडिशा को राज्य का दर्जा दिलाने में अहम योगदान देने वाले मधुसूदन दास, उत्कल-मणि गोपबंधु दास, महाराज कृष्ण चंद्र गजपति, मधुसूदन राव, पंडित नीलकंठ दास, फकीर मोहन सेनापति, राधानाथ राय और अन्य महान हस्तियों को श्रद्धांजलि देते हैं।

राज्यपाल श्री कटारिया ने कहा कि आध्यात्मिक दिशा को समृद्ध करने और लोगों को एक मजबूत पहचान देने में ओडिशा का महान योगदान है। राज्यपाल ने असम और ओडिशा के बीच समानताओं को रेखांकित करते हुए कहा कि दोनों राज्य मित्रता के मजबूत बंधन को साझा करते हैं। दोस्ती के इस सेतु को बनाने के लिए कई लोगों का योगदान है। उन्होंने कहा कि इस अदृश्य पुल का पहला स्तंभ 16वीं शताब्दी के दार्शनिक संत श्रीमंत शंकरदेव द्वारा बनाया गया था, जिन्होंने दो बार पुरी का दौरा किया और वहां पवित्र दोस्ती के बीज बोए। दूसरा स्तंभ चाय बागान के श्रमिकों द्वारा बनाया गया, जो असम को विशाल चाय उद्योग देने के लिए ओडिशा से असम आये थे। राज्यपाल ने आयोजकों को असम में उत्कल दिवस मनाने के लिए धन्यवाद दिया।

वहीं **भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव** के पावन अवसर पर असम के राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 2 अप्रैल 2023 को शहर के फैंसी बाजार में सकल जैन समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। राज्यपाल श्री कटारिया ने महोत्सव के शुभ अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई दी और सभी से महावीर की शिक्षा एवं आदर्शों का पालन करने का आग्रह किया, जो अहिंसा के समर्थक थे और सभी जीवों के लिए प्रेम और सम्मान का उपदेश देते थे। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर के संदेशों का पालन करके एक समावेशी और संतुलित समाज प्राप्त किया जा सकता है।

राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया अपनी धर्मपत्नी श्रीमती अनीता कटारिया के साथ कामाख्या मंदिर का दर्शन करते हुए।

नई दिल्ली के वार मेमेरियल में शहीद जवानों को श्रद्धा सुमन अर्पित करते राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया।

उमानंद में पूजा-अर्चना करते राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया और प्रथम महिला श्रीमती अनीता कटारिया।

तेजपुर के चित्रलेखा उद्यान में एक ऐतिहासिक कलाकृति को निहारते राज्यपाल।

जोराहाट के ढेकियाखोवा बोर नामघर में लोगों को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया।

शिवसागर जिले के दौरे के दौरान रंग घर, केरेंग घर का भ्रमण करते और शिव दौल में पूजा-अर्चना करते राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया और प्रथम महिला श्रीमती अनीता कटारिया।

राजभवन में दिखी विभिन्न राज्यों की संस्कृति की झलक

गुजरात और महाराष्ट्र के राज्य स्थापना दिवस

राजभवन, असम में इस पहल की शुरुआत 1 मई 2023 को गुजरात और महाराष्ट्र के राज्य दिवस से हुई। इस मौके पर राजभवन, असम के दरबार हॉल में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने कहा कि भारत भूमि का सार विविधता में एकता में निहित है, जिसमें पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक, हम ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से एक उद्देश्य के साथ एकजुट हैं- वह है, भारत का एकीकरण। राज्यपाल ने कहा कि असम और गुजरात के बीच संबंधों की गहरी ऐतिहासिक और सभ्यतागत जड़ें हैं, जो चार हजार साल से भी पुरानी हैं। राज्यपाल ने अन्य राज्यों के राज्य दिवस मनाने की पहल के लिए केंद्र सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा कि केंद्र सरकार के इस कदम से राष्ट्रीय एकता की भावना और एक भारत श्रेष्ठ भारत के सार को और मजबूती मिलेगी।

सिक्किम राज्य दिवस

राष्ट्रीय एकता को और अधिक ऊंचाई पर ले जाने के लिए राजभवन, असम ने 16 मई 2023 को सिक्किम का राज्य स्थापना दिवस मनाया। राजभवन के दरबार हॉल में आयोजित सिक्किम राज्य दिवस कार्यक्रम में असम सरकार के पूर्व मुख्य सचिव और रेरा की अध्यक्ष श्रीमती शेरिंग वाई. दास ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इससे पहले आयुक्त और राज्यपाल के सचिव श्री एसएस मीनाक्षी सुंदरम ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) के आयुक्त श्री मेघ निधि दहाल, एनएचएम स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के पूर्व प्रधान निदेशक सह एमडी डॉ. राज प्रभा मोकटन ने इस अवसर पर अपने विचार रखे।

गोवा का स्थापना दिवस

राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के लिए 30 मई 2023 को राजभवन के दरबार हॉल में गोवा राज्य स्थापना दिवस मनाया गया। इस मौके पर राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने कहा कि राष्ट्रीय पर्वों की तरह विशेष दिवस मनाने की परंपरा भी सामाजिक और सांस्कृतिक सद्भाव को मजबूत करने की दिशा में काम करती है। राज्यपाल ने यह भी कहा कि असम में गोवा राज्य दिवस असम और गोवा के बीच दोस्ती, एकता और भाईचारे का जश्न मनाने की दिशा में एक सार्थक कदम है। ऐसे समय में जब देश आजादी का अमृत काल मना रहा है, राज्य दिवस का उत्सव एक भारत श्रेष्ठ भारत की प्राप्ति की दिशा में शुभ संकेत देता है।

राज्यपाल बने भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, असम के मुख्य संरक्षक

असम के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया 25 मार्च 2023 को राजभवन में आयोजित एक समारोह में भारत स्काउट्स और गाइड्स, असम के मुख्य संरक्षक के रूप में शामिल हुए। राज्यपाल श्री कटारिया ने इस मौके पर असम राज्य भारत स्काउट्स और गाइड्स के अधिकारियों से प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ देश की सेवा में अपना योगदान देने का आह्वान किया तथा मुख्य संरक्षक के रूप अपना सहयोग एवं समर्थन देने का आश्वासन दिया।

राज्यपाल ने यह भी कहा कि भारत स्काउट्स और गाइड्स का प्रयास युवाओं को अनुशासन में रहने में मदद करना है ताकि एक बेहतर विश्व का निर्माण किया जा सके। स्काउटिंग युवाओं को एक-दूसरे को समझने और रंग, जाति, पंथ, धर्म और भाषा के मतभेदों को दूर करने का मंच प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि स्काउट और गाइड सेवा, अनुशासन और समर्पण का प्रतीक है, जिसे स्वयंसेवकों को समाज के हित में अपनी सेवाएं प्रदान करने के लिए आत्मसात करना चाहिए।

राज्यपाल ने यह भी कहा कि भारत स्काउट्स और गाइड्स युवाओं को शारीरिक, बौद्धिक, भावनात्मक, सामाजिक, भौतिक और आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाने में बहुत बड़ा योगदान दे रहा है ताकि वे सकारात्मक तरीकों से परिवर्तन करने में सक्षम हो सकें।

रंगाली बिहू पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

असम की संस्कृति के प्रतीक एवं जातीय उत्सव रंगाली बिहू की पूर्व संध्या पर 13 अप्रैल 2023 को राजभवन में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। असम के राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने असम की प्रथम महिला श्रीमती अनीता कटारिया के साथ इस सांस्कृतिक कार्यक्रम का लुत्फ उठाया। राज्यपाल ने इस अवसर पर राजभवन के सभी कर्मचारियों और परिवार के सदस्यों को रंगाली बिहू की बधाई दी। उन्होंने कहा कि बिहू असम का सार है, जिसे उत्साह के साथ मनाया जाता है। बाद में राज्यपाल श्री कटारिया और उनकी धर्मपत्नी ने कार्यक्रम में प्रस्तुति देने वाले सभी कलाकारों को सम्मानित किया।

अन्य कार्यक्रम

तोलाराम बाफना कृत्रिम अंग और कैलीपर केंद्र को सराहा

असम के राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 29 मार्च 2023 को कामरूप (ग्रामीण) जिले के तोलाराम बाफना आर्टिफिशियल लिम्ब एंड कैलिपर सेंटर के 32वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए।

इस मौके पर राज्यपाल कटारिया ने कहा कि तोलाराम बाफना आर्टिफिशियल लिम्ब एंड कैलिपर सेंटर के परिवार द्वारा प्रदान की गई सेवा वास्तव में प्रेरणादायक है। केंद्र ने वंचितों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए अपनी सेवाएं समर्पित की हैं। उन्होंने कहा कि कृत्रिम अंग प्रदान करने वाली इसकी सेवाएं दिल को छू लेने वाली हैं, जिससे हजारों लोगों के चेहरे पर मुस्कान आ गई है। राज्यपाल ने कहा कि सच्ची महानता संसाधनों की प्रचुरता में नहीं है, बल्कि अपने साथी मनुष्यों की सेवा में हैं।

मारवाड़ी संगठनों के शपथ ग्रहण समारोह

राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 9 अप्रैल 2023 को सामाजिक संस्थाओं **पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन (पूप्रमास)** और **पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच (पूप्रमायुमं)** के संयुक्त शपथ ग्रहण समारोह में शिरकत की। गुवाहाटी के फैंसी बाजार में आयोजित इस समारोह में राज्यपाल श्री कटारिया ने दोनों संस्थाओं की जन-कल्याण और सामाजिक कार्यों के लिए प्रशंसा की। इस कार्यक्रम में असम की प्रथम महिला श्रीमती अनीत कटारिया, सांसद और राजस्थान के भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री सी.पी. जोशी और कई अन्य गणमान्य सोग मौजूद थे।

बोड़ोलैंड क्षेत्र में खो-खो चैंपियनशिप का समापन समारोह

असम के राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 23 मार्च 2023 को तामुलपुर में आयोजित चौथी एशियाई खो-खो चैंपियनशिप के समापन समारोह में भाग लिया।

इस मौके पर राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि इस चैंपियनशिप के आयोजन से राज्य में खो खो की लोकप्रियता बढ़ेगी। उन्होंने चैम्पियनशिप में शामिल सभी खिलाड़ियों और आयोजकों को शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल ने कहा कि खेल से जुड़े प्रशासकों के अथक प्रयास से इस खेल को बढ़ावा मिलेगा और नई पीढ़ी के खिलाड़ियों को इस विरासत को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित होंगे।

राज्यपाल ने कहा कि खेल विभिन्न क्षेत्र के लोगों के बीच शांति, सद्भाव और एकता को मजबूत करने में मदद करते हैं। चैंपियनशिप में भाग लेने वाले देशों और विजेताओं को बधाई देते हुए राज्यपाल ने कहा कि हमारे पास साझा सांस्कृतिक मूल्यों का स्थायी इतिहास और इसलिए इसमें एशियाई देशों की भागीदारी हमारे भाईचारे और सौहार्द की सामूहिक भावना को दर्शाता है। मैं सभी का आभार व्यक्त करता हूं। राज्यपाल श्री कटारिया ने आशा व्यक्त की कि टूर्नामेंट की सफलता से इस खेल को दुनिया भर में पहचान मिलेगी और उनकी कामना है कि भविष्य में खो खो ओलम्पिक में शामिल किया जाना चाहिए खेल।

मुक्केबाज लवलीना को किया सम्मानित

राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 31 मार्च 2023 को राजभवन में मुक्केबाज लवलीना बोरगोहाई को सम्मानित किया। गौरतलब है कि बॉक्सर लवलीना ने 26 मार्च को नई दिल्ली में संपन्न हुई बॉक्सिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता था। इस मौके पर राज्यपाल ने कहा कि उनकी असाधारण प्रतिभा और अटूट समर्पण ने उन्हें आईबीए महिला मुक्केबाजी विश्व चैंपियनशिप 2023 में स्वर्ण पदक हासिल करने के लिए प्रेरित किया है। उनकी इस उपलब्धि से हमारे राज्य और राष्ट्र को बहुत गर्व है। उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियां नवोदित एथलीटों को प्रेरित करती रहेंगी। राज्यपाल ने प्रथम महिला श्रीमती अनीता कटारिया की उपस्थिति में लवलीना और उनके माता-पिता को भी सम्मानित किया।

राजवाणी
वर्ष-01 * अंक - 01 * 22 फरवरी-मई 2023

अखिल भारतीय ब्रह्मपुत्र स्क्वैश चैंपियनशिप 2023 का समापन समारोह

राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 9 अप्रैल 2023 को गुवाहाटी के उलुबाड़ी स्थित आरजी बरुआ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित तीसरी अखिल भारतीय ब्रह्मपुत्र स्क्वैश चैंपियनशिप, 2023 के समापन समारोह में भाग लिया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि खेल व्यक्ति के व्यक्तित्व को आकार देते हैं। यह व्यक्ति को अनुशासित करने के साथ-साथ जातियों के भेद को मिटाता है, टीम भावना का निर्माण करता है और एकता की भावना को बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि 2016 में गुवाहाटी में 12वें दक्षिण एशियाई खेलों के आयोजन के बाद असम में स्क्वैश लोकप्रिय हुआ। इस खेल को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा चार अत्याधुनिक विश्व स्तरीय स्क्वैश कोर्ट बनाए गए थे। श्री कटारिया ने असम में स्क्वैश के खेल को लोकप्रिय बनाने के लिए असम स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन को बधाई दी।

उल्लेखनीय है कि तीसरी अखिल भारतीय ब्रह्मपुत्र स्क्वैश चैंपियनशिप में भारत के 24 राज्यों के 272 खिलाड़ियों ने भाग लिया है। राज्यपाल ने कहा कि यह असम स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इस तरह की चैंपियनशिप असम और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में स्क्वैश के विकास के लिए एक जबरदस्त बूस्टर साबित होगी।

समारोह में केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री श्री रामेश्वर तेली, असम स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री शिलादित्य देव, असम स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन के पदाधिकारी, अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

असम प्रीमियर हैंडबॉल लीग का किया उद्घाटन

गुवाहाटी के सरुसजाई स्पोट्स कॉम्प्लेक्स में 27 मई 2023 को राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने दूसरे असम प्रीमियर हैंडबॉल लीग का उद्घाटन किया।

असम हैंडबॉल एकेडमी और असम हैंडबॉल संघ द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने कहा कि हैंडबॉल पूर्वोत्तर में काफी लोकप्रिय खेल है। मुझे खुशी है कि असम हैंडबॉल एकेडमी और असम हैंडबॉल संघ राज्य में इस खेल को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इन्हीं के प्रयास का नतीजा है कि यह टूर्नामेंट दूसरी बार आयोजित हो रहा है। श्री कटारिया ने कहा कि असम प्रीमियर हैंडबॉल लीग इस खेल से जुड़े राज्य के खिलाड़ियों के लिए उनकी प्रतिभा और क्षमता दिखाने का एक बड़ा मंच है। देश में हैंडबॉल के विकास की बेहतरीन संभावनाएं हैं। भारतीय हैंडबॉल महासंघ इसमें अपना सराहनीय योगदान दे रहा है। राज्य स्तर पर कई टूर्नामेंट आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एशियाई खेलों में देश के खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। लेकिन इस क्षेत्र में अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। राज्यपाल ने कहा कि देश के हैंडबॉल खिलाड़ियों में भी प्रतिभा और क्षमता है। इनकी प्रतिभा को निखारने की जरूरत है। इन्हें अच्छा प्रशिक्षण और अधिक से अधिक खेलने का मौका उपलब्ध कराना होगा।

जोरहाट के वायु सेना विद्यालय व केंद्रीय विद्यालय के एक कार्यक्रम में छात्राओं के साथ राज्यपाल।

असम महिला विश्वविद्यालय, जोरहाटी की छात्राओं के साथ राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया।

तेजपुर के चित्रलेखा उद्यान में पौधा लगाते राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया।

जोरहाट मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मरीज के बात करते राज्यपाल।

नलबाड़ी के कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत विश्वविद्यालय के के.के. हैंडिक ओपन एयर कलास रूम का उद्घाटन करते राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया।

ले. जनरल राणा प्रताप कलिता, जी ओ सी, ईस्टर्न कमाण्डेंट से भेंट ग्रहण करते राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया।

तिनसुकिया के बोगानदी आंगनवाड़ी केंद्र के विद्यार्थियों के साथ राज्यपाल।

बी.टी.सी. के मुख्य कार्यकारी सदस्य (सी.ई.एम.) और कार्यकारी सदस्य (ई.एम.) के साथ राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया।

/G.C.KatariaUDR
/Gulab_kataria